SHREELAKSHMI.T, HINDI TEACHER

GHS KAKKABEVINAHALLI,

BALLARI EAST, BALLARI.

https://shreelakshmit.blogspot.com/

10TH STD. HINDI NOTES

1. मातृभूमि

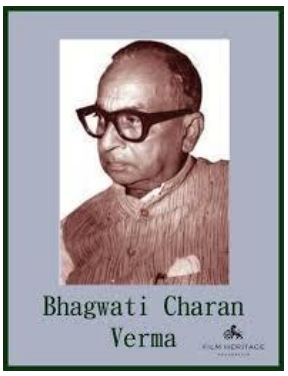

कविता का आशय :

भगवतीचरण वर्मा के नाम को हिन्दी साहित्य में आदर के साथ लिया जाता है। प्रस्तुत कविता में कवि के देशप्रेम की झलक दिखायी देती है। वे मातृभूमि को प्रणाम करते हुए उसमें विद्यमान अपार वन-संपदा, खनिज संपत्ति का वर्णन करते हुए भारत के महान् विभूतियों का स्मरण करते हैं। इस कविता से भारत की महानता का परिचय प्राप्त होता है।और छात्रों के मन में देशप्रेम का भाव जगाना चाहते हैं।

कवि परिचय : भगवतीचरण वर्मा (1903-1981)

जन्म : 30 अगस्त 1903 को उन्नाव जिले (उ.प्र) के शफीपुर गाँव में हुआ था। शिक्षा : इलाहाबाद से बी.ए, एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। संपादन: उन्होंने 'विचार' और 'नवजीवन' नामक पत्रिकाओं का संपादन किया था। सेवा : आकाशवाणी के कई केंद्रों में भी सेवा की। फिल्म-निर्माण : 'चित्रलेखा' उपन्यास पर दो बार फिल्म-निर्माण हुआ। पुरस्कार : दूसरा उपन्यास 'भूले-बिसरे चित्र' साहित्य अकादमी से पुरस्कृत है। कृतियाँ : अपने खिलौने, पतन, तीन वर्ष, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, युवराज चूण्डा (उपन्यास), मेरी कहानियाँ, मोर्चाबंदी तथा संपूर्ण कहानियाँ (कहानी-संग्रह), मेरी कविताएँ, सविनय और एक नाराज़ कविता (कविता-संग्रह), मेरे नाटक, वसीयत (नाटक) आदि उनकी अन्य लोकप्रिय कृतियाँ हैं। मरण : 5 अक्तूबर 1981 को वर्मा जी का देहांत हुआ।

शब्दार्थ :

शायित :सोया हुआ, ಮಲಗಿದ. अमर : मृत्युहीन, जो कभी नहीं मरता; ಅಮರ, ಚಿರಂಜೀವಿ. हस्त : हाथ, ಕೈ.सुहाने :सुंदर, ಸುಂದರವಾದ. धाम : घर, ಮನೆ. गूँजना : प्रतिध्वनित होना। ಝೀಂಕಾರ.

शब्द युग्म:

हरे-भरे, फल-फूल, वन-उपवन, सुख-संपत्ति, धन-धाम द्विरुक्ति शब्द : शत-शत, कोटि-कोटि

एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. कवि किसे प्रणाम कर रहे है ? उत्तर : कवि " मातृभूमि " को प्रणाम कर रहे है।
2. भारत माँ के हाथों में क्या है ? उत्तर : भारत माता के एक हाथ में ' न्याय का पताका ' और दूसरे हाथ में ' ज्ञान का दीप' है।
3. आज माँ के साथ कौन है ? उत्तर : आज माँ के साथ "कोटी-कोटी लोग भारतवासी" है।
4. सभी ओर क्या गूंज उठा है ? उत्तर : सभी ओर " जय हिन्द " नाद गूँज उठा है।
5. भारत के खेत कैसे है? उत्तर : भारत के खेत " हरे भरे " है।
6. भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ? उत्तर : भारत भूमि के अंदर " खनिजों का व्यापक धन " भरा हुआ है।
7. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है उत्तर : सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ " मुक्त हस्त " से बाँट रही है ।
8. जग के रूप बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते है ?उत्तर : जग के रूप बदलने के लिए कवि " भारत माँ " से निवेदन करते है ।
9. जय-हिन्द का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ? उत्तर : जय-हिन्द का नाद " सकल नगर और ग्राम " में गूँजना चाहिए ।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर : कवि भगवती चरण वर्माजी भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहते है कि, भारत में हरे-भरे खेत सुन्दर है । फल-फूलों से भरा हुआ वन और उपवन है । भारत के भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन है । मुक्त हस्त से भारत माँ सभी को सुख-संपत्ति , धन-धाम बाँट रही है।

2. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि, भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है। इन दोनों के सहायता से जग का रूप बदल दें माँ , कोटि-कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है। भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूंजना चाहिए।

III. अनुरूपताः

1. वसीयत : नाटक : : चित्रलेखा : उपन्यास
2. शत-शत : द्विरुक्ति : : हरे-भरे : युग्म
3. बायें हाथ में : न्याय पताका : : दाहिने हाथ में : ज्ञान का दीप
4. हस्त : हाथ : : पताका : झण्डा

IV. दोनों खंडों को जोड़कर लिखिए :

1. तेरे उर में शायित — गांधी, बुद्ध और राम
2. फल - फूलों से युत — वन, उपवन
3. एक हाथ में — न्याय-पताका
4. कोटि-कोटि हम — आज साथ में
5. मातृ - भू — शत-शत बार प्रणाम

v. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

1. कवि मातृभूमि को शत-शत बार प्रणाम कर रहे हैं।
2. भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं।
3. वन ,उपवन फल-फूलों से युत है।
4. मुक्त हस्त से मातृभूमि सुख-संपत्ति बाँट रही है।
5. सभी ओर जय-हिन्द का नाद गूँज उठे।

VI. भावार्थ लिखिए :

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।

उत्तर : कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि, भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है। इन दोनों के सहायता से जग का रूप बदल दें माँ , कोटि-कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है। भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँजना चाहिए।

VII पद्य भाग पूर्ण कीजिए :

हरे-भरे हैं खेत सुहाने,
फल-फूलों से युत वन-उपवन,
तेरे अंदर भरा हुआ है।
खनिजों का कितना व्यापक धन।

मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
सुख-संपत्ति, धन-धाम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम।

ಮಾತೃ ಭೂಮಿ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ:

ಹೇ ಮಾತೃಭೂಮಿ ನಿನಗೆ ಶತ-ಶತ ಪ್ರಣಾಮಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸುವೆನು. ಎಷ್ಟೋ ಅಮರರಿಗೆ ಜನ್ಮ ನೀಡಿದ ಜನನಿ ನಿನಗೆ ವಂದನೆಗಳು. ತಾಯಿಯೇ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು ನಿನ್ನ ಹೃದಯದಲ್ಲಿ ಮಲಗಿ ನಿದ್ರಿಸುತ್ತಿರುವ ಗಾಂಧೀಜಿ, ಬುದ್ಧ ಮತ್ತು ರಾಮ, ಇಂತಹ ಮಾತೃಭೂಮಿ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು. ಹೊಲಗಳು ಹಸಿರನ್ನು ತುಂಬಿಕೊಂಡು ಸುಂದರವಾಗಿ ಕಾಣುತ್ತಿವೆ, ವನ- ಉಪವನಗಳು ಹಣ್ಣು-ಹೂವುಗಳಿಂದ ಕಂಗೊಳಿಸುತ್ತಿವೆ. ಜನನಿಯೇ ನಿನ್ನಲ್ಲಿ ಖನಿಜ ಸಂಪತ್ತು ತುಂಬಿಕೊಂಡಿದೆ, ನೀನು ಮುಕ್ತ ಹಸ್ತಗಳಿಂದ ಎಲ್ಲ ಸುಖ-ಸಂಪತ್ತು ಧನಧಾನ್ಯಗಳನ್ನು ಹಂಚುತ್ತಿರುವೆ. ಮಾತೃಭೂಮಿಯೇ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು ನಿನ್ನ ಒಂದು ಕೈಯಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯದ ಪತಾಕೆಯಿದೆ, ಇನ್ನೊಂದು ಕೈಯಲ್ಲಿ ಜ್ಞಾನರೂಪಿ ದೀಪವಿದೆ, ಜ್ಞಾನದ ಜ್ಯೋತಿ ಇದೆ, ಇವುಗಳಿಂದ ಈ ಜಗತ್ತಿನ ರೂಪವನ್ನು ಬದಲಿಸು ತಾಯಿಯೇ, ಇದರಿಂದ ಕೋಟಿ ಕೋಟಿ ಜನರು ಇಂದು ಜೊತೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಇದ್ದೇವೆ, ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಜೈಹಿಂದ ಧ್ವನಿಯು, ಎಲ್ಲ ನಗರಗಳಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿಧ್ವನಿಸುತ್ತಿದೆ, ಇಂತಹ ಮಾತೃಭೂಮಿಯೇ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು ಹೀಗೆ ಕವಿಯು ಈ ಕವಿತೆಯ ಮುಖಾಂತರ ಮಾತೃಭೂಮಿಯ ವಿಶೇಷತೆಗಳನ್ನು ಹೇಳುತ್ತ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಮನದಲ್ಲಿ ದೇಶಪ್ರೇಮದ ಭಾವನೆಯನ್ನು ಜಾಗೃತಗೊಳಿಸಲು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾರೆ.

पाठ- 2 कश्मीरी सेब

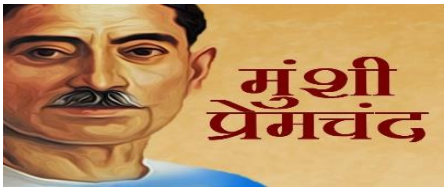

लेखक का नाम : मुंशी प्रेमचंद

पाठ की विधा : कहानी

जन्म और जन्म स्थल : वारणासी के पास लमही गाँव में 31 जुलाई 1880 में हुआ।**प्रमुख रचनाएँ : उपन्यास :** गोदान, सेवा सदन , गबन, निर्मला, कर्मभूमी आदी।**प्रसिद्ध कहानियाँ :** पंच परमेश्वर, नाम का दरोगा, बडे घर की बेटी, पूस की रात आदि ।**कहानियों का संग्रह :** मानसरोवर । **वास्तविक नाम :** धनपत राय । **उपाधी :** उपन्यास सम्राट ।

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. लेखक चीज़ें खरीदने कहाँ गये थे ? उत्तरः लेखक चीज़ें खरीदने चौक गये थे ।
2. लेखक को क्या नज़र आया ? उत्तरः लेखक को दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आया।
3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा ? उत्तर : रंगदार गुलाबी सेबों को देखकर लेखक का जी ललचा उठा ।
4. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है ? उत्तर: टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है ।
5. स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है ? उत्तरः स्वाद में सेब आम से बढ़कर नहीं है ।
6. रोज एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नहीं होगी ? उत्तरः रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की ज़रूरत नहीं होगी ।

II दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?

उत्तर: आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के बारे में विचार किया जाता है।

2. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ? उत्तरः दूकानदार ने लेखक से कहा कि "बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाए , खाकर तबीयत खुश हो जायेगी" ।
3. दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ? उत्तरः दूकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से कहा "सुनो, आधा सेर कश्मीरी सेब निकाल ला। चुनकर लाना" ।
4. सेब की हालत के बारे में लिखिए ।

उत्तर: पहला सेब सड़ा हुआ था। एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था ।* दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था । * तीसरा सेब एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था । * और चौथा सेब में काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है ।

III जोड़कर लिखिए :

1) सेब को रूमाल में बाँधकर	प्रात:काल है। 1. मुझे दे दिया।
2) फल खाने का समय तो	मुझे दे दिया। 2. प्रात:काल है।
3) एक सेब भी खाने	बनी हुई थी। 3. लायक नहीं।
4) व्यापारियों की साख	लायक नहीं। 4. बनी हुई थी।

IV विलोम शब्द लिखिए :

शाम x सुबह, अच्छा x बुरा ,खरीदना x बेचना,बहुत x कम ,शिक्षित x अशिक्षित ,आवश्यक x अनावश्यक गरीब x अमीर ,रात x दिन ,संदेह x निस्संदेह ,साफ x मैला ग़म x बेग़म /खुश , बेईमान x ईमान , विश्वास x अविश्वास, सहयोग x असहयोग, हानी x लाभ ,पास x दूर

V अन्यवचन रूप लिखिए :

चीज़ें - चीज़ , रास्ता - रास्ते, घर - घर, रुपए – रुपया, आँखें – आँख, कर्मचारी – कर्मचारियाँ, व्यापारी - व्यापारीगण, रेवड़ी - रेवड़ियाँ ,दूकान - दूकाने

VI. अनुरूपता : 1) केला : पीला रंग :: सेब : गुलाबी रंग

2) सेब : फल :: गाजर : सब्जी

3) नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब

4) कपडा : नापना :: टोमाटो : तोलना

VII. निम्न लिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए :

1) गाजर गरीबों भी पहले के पेट की चीज़ भरने थी।

उत्तरःगाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।

21 अब चीज़ नहीं है वह केवल स्वाद की।

उत्तर: अब वह केवल स्वाद की चीज़ नहीं है।

3) नहीं लायक खाने भी सेब एक ।

उत्तरः एक सेब भी खाने लायक नहीं।

4) मालूम हुई घर आकर अपनी भूल ।

उत्तर : घर आकर अपनी भूल मालूम हुई

VIII . अपनी मातृभाषा कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी।

उत्तर : ಗಜ್ಜರಿಯು ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

2. दूकानदार नेकहा - बडे मजेदार सेब आए हैं।

उत्तर : ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದನು ಬಹಳ ಸ್ವಾದಿಷ್ಟವಾದ ಸೇಬು ಬಂದಿವೆ.

3. एक सेब भी खाने लायक नहीं।

उत्तर : ಒಂದು ಸೇಬು ಹಣ್ಣು ಕೂಡ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿಲ್ಲ.

4. दूकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।

उत्तर : ಅಂಗಡಿಯವನು ನನಗೆ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

शब्दार्थ :

मेवा फरोश - मेवा या ताजे फल बेचने वाला - ತಾಜಾ ಹಣ್ಣು ಮಾರುವವ, नज़र - दृष्टि, निगाह, दिखायि देना - ದೃಷ್ಟಿ. नीमकौडी - नीम का फल - ಬೇವಿನ ಹಣ್ಣು, स्वाद - रुचि – ರುಚಿ.लौंडा - छोकरा, बालक – ಹುಡುಗ.मोल - भाव - मूल्य, कीमत, दाम – ಬೆಲೆ,तराजू - तौलने का साधन – ತಕ್ಕಡಿ, कायदा- नियम, रीति - ಪದ್ಧತಿ, ನಿಯಮ,गलना - किसी वस्तु का घनत्व कम होना – ಕರಗುವುದು,बेदाग - साफ, जिसमे कोई दाग ना हो - ಸ್ವಚ್ಛ ಅಥವಾ ಕಲೆ ಇಲ್ಲದಿರುವಿಕೆ,सुराख - छेद - ರಂಧ್ರ, ತೂತು,बेर - एक प्रकार का फल – ಬಾರೆಹಣ್ಣು,भांप लेना - पहचानना – ಗುರುತಿಸುವುದು,चौकस - सचेत , सावधान ಎಚ್ಚರಿಕೆ,कचहरी -दफ्त – ಕಚೇರಿ,साख - लेन- देन – ವ್ಯವಹಾರ,छटाक - सेर का सोलहवें भाग की एक तौल - ಸೇರಿನ 16ನೇ ಭಾಗ, रेवाड़ी - तिल और चीनी से बनी मिठाई ।- ಎಳ್ಳಿನ ಉಂಡೆ.

==========

पाठ-3 गिल्लू

लेखिका का परिचय :

जन्म-मृत्यु :- 24 मार्च 1907 फरूखाबाद में हुआ । **मृत्यु** - सितंबर सन् 1987

माता-पिता :- हेमारानी और गोविंद प्रसाद वर्मा। **प्रमुख रचनाएँ** :- यामा, नीरज, निहार, सांध्यागीत, दीपशिखा, अतीत के चलचित्र, मेरा परिवार, पथ के साथी, श्रृंखला की कड़ियां । **पुरस्कार** :- मंगल प्रसाद, द्विवेदी, सेक्सरिया ।

शब्दार्थ :–

अचानक - यकायक, ಇದ್ದಕ್ಕಿದ್ದಂತೆ. **गमला** - फूलों के पेड़ या पौधे लगाने का बर्तन , ಹೂವಿನ ಕುಂಡ. **घाव** - जख्म , ಗಾಯ. **हौले से** - धीरे से , ನಿಧಾನ. **काँच**- शीशा , ಗಾಜು . **चुन्नट** - सिलवट , ನಿರಿಗೆ.**सोनजुही** - एक खुशबूदार फूल , ಸುಗಂಧ ಭರಿತವಾದ ಹಳದಿ ಹೂವು/ಸಂಪಿಗೆ ಹೂವು. **गिलहरी** - मोटे रुएं और लंबी पूंछवाला एक मादा जन्तु , ಅಳಿಲು. **अवतीर्ण** - उत्पन्न होना , अवतरित होना , ಉತ್ಪನ್ನವಾಗುವುದು .**काकद्वय** - दो कौए , ಎರಡು ಕಾಗೆ .**चोंच** - पक्षियों के मुख का अग्र भाग , ಚೋಂಚು. **मरहम** - औषधि का लेप , ಮುಲಾಮು. **झब्बेदार**- गुच्छे जैसी , ಗುಚ್ಚು. **डलिया** - छोटी टोकरी , ಸಣ್ಣ ಬುಟ್ಟಿ. **मनकें** - मणि , ಮಣಿ. **गात** - शरीर , देहा , ಶರೀರ. **कीलें** - लोहे या काठ की खूंटी , ಮೊಳೆ. **बरामदा** - घर के बाहर का भाग , ಮನೆಯ ಮುಂದಿನ ಭಾಗ. **सुराही** -पानी रखने का बर्तन , ಹೂಜಿ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?

उत्तर:- लेखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है क्योंकि कौए एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित होते है ।

2. गिलहरि का बच्चा कहाँ पर पड़ा था ?

उत्तर:- गिलहरि का बच्चा गमले और दिवार के संधि में पड़ा था ।

3. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?

उत्तर:- लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया ।

4. वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी ?

उत्तर:- वर्मा जी गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थी ।

5. गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?

उत्तर:- गिलहरी का लघु गात लिफ़ाफ़े के भीतर बंद रहता था ।

6. गिलहरि का प्रिय खाद्य क्या था ?

उत्तर :- गिलहरि का प्रिय खाद्य काजू था ।

7. लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा ?

उत्तर :- मोटार दुर्घटना में घायल होने के कारण लेखिका को अस्पताल में रहना पड़ा ।

8. गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?

उत्तर:- गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था ।

9. गिलहरी की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है ?

उत्तर:- गिलहरी की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है ।

10. गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

उत्तर:- गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1. लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी ?

उत्तर :- कौओं के चोंचों के घाव के कारण गिल्लू निश्चेष्ट-सा गमले से चिपका पड़ा था । इस स्थिति में गिलहरी लेखिका को दिखाई पड़ी ।

2. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?

उत्तर :- लेखिका गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायि, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया । कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुंह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका। इस तरह लेखिका ने गिल्लू के प्राण बचाये।

3. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उत्तर :- लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पर्दे चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता जब तक लेखिका उसे पकड़ ना ले ।

4. महादेवी वर्मा को चौकाने के लिए गिल्लू कहाँ-कहाँ छिप जाता था ?

उत्तर : . महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए कभी गिल्लू फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तों में छिप जाता था।

5. गिल्लू ने लेखिका की गैर हाजरी में दिन कैसे बिताये ?

उत्तर :- जब कोई लेखिका के कमरे का दरवाजा खोला जाए तो, गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देखकर तेजी से अपने घोंसले में जा बैठता । सब उसे काजू दे जाते, परंतु वह अपने प्रिय खाद्य को कम खाता रहा । इस प्रकार गिल्लू ने लेखिका के गैर हाजरी में दिन बिताये।

III. चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1. गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए ।

उत्तर :- गिल्लू अपने घर में झूलता रहता था । लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ न ले और महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजूही की पत्तों में छिप जाता।

2. लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया ?

उत्तर :- लेखिका ने गिलहरी को बड़ी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया । जहाँ बैठकर गिल्लू एक-एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाता रहता । कई दिन गिल्लू को काजू न मिलने पर वह अन्य खाने की चीज़े या तो लेना बंद कर देता था या झूले से नीचे फेंक देता था।

3. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :- गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर गिल्लू न कुछ खाया, न बाहर गया । पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया ।

4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ?

उत्तर :- महादेवी वर्मा के पास बहुत से पशु-पक्षी थे और उनका लगाव भी उनसे कम नहीं था परन्तु उनमें से गिल्लू पर महादेवी वर्माजी को ज्यादा प्यार था। लेखिका ने गिलहरी को बड़ी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया । जहाँ बैठकर गिल्लू एक-एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाता रहता । जब गिल्लू की जीवनयात्रा का अंत आ गया । तब उसके पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। इन घटनाओं से पता चलता है कि महादेवी वर्माजी को गिल्लू के प्रति अधिक ममता थी।

IV .रिक्त स्थान भरिए :-

1. वह ---------- भी विचित्र पक्षी है
2. उसी बीच मुझे ---------- आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।
3. गिल्लू की ---------- का अंत आ ही गया।
4. मेरे पास बहुत ---------- है।
5. गिल्लू के जीवन का प्रथम ---------- आया।

उत्तर :- 1. काकभुशुण्डी 2. मोटर दुर्घटना, 3. जीवन यात्रा, 4. पशु-पक्षी, 5. वसंत

V .अनुरूपता :-

1 सन् 1907 : महादेवी वर्माजी का जन्म ।: : सन् 1987 : _____

2. गुलाब : पौधा : : सोनजूही : _____

3. हंस : सफेद : : कौआ : _____

4. बिल्ली : म्याऊ-म्या : : गिल्लू : _____

5. कोयल : मधुर स्वर : : कौआ : _____

उत्तर : 1. महादेवी वर्माजी का निधन ; 2. लता ; 3. काला; 4. चिक-चिक; 5. कर्कश स्वर;

VI .कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. कई घंटे के उपचार के उपरांत मुंह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका।

उत्तर :- ಅವೆಷ್ಟೋ ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು.

2. बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया ।

उत्तर :- ಬಹಳ ಕಷ್ಟದಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

3. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

उत्तर :- ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ನೀರಿನ ಹೂಜಿಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿತ್ತು.

4. दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया , न बाहर गया ।

उत्तर :- ದಿನ ಪೂರ್ತಿ ಗಿಲ್ಲೂ ಏನೂ ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲ, ಹೊರಗಡೆ ಹೋಗಲೂ ಇಲ್ಲ.

VII . दिए-गए सही स्त्रीलिंग शब्दों को चुनकर संबंधित पुल्लिंग शब्द के आगे लिखिए :

(मयूरी , लेखिका, श्रीमती, कुतिया)

पुल्लिंग	--	स्त्रीलिंग			
1. लेखक	--	लेखिका	3. मयूर	--	मयूरी
2.श्रीमान	--	श्रीमती	4. कुत्ता	--	कुतिया

VIII . रिक्त स्थान भरिए :-

एकवचन		बहुवचन			
1. उंगली	-	उंगलियाँ	6. पंजा	-	पंजे
2. आंख	-	आंखें	7. लिफ़ाफ़ा	-	लिफ़ाफ़े
3. पूंछ	-	पूंछे	8. कौआ	-	कौए
4. खिड़की	-	खिड़कियाँ	9. गमला	-	गमले
5. फूल	-	फूल	10. घोंसला	-	घोंसले

IX . उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :-

क्रिया शब्द	प्रथम प्रे. क्रिया	द्वितीय प्रे. क्रिया
1. चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
मिलना	मिलाना	मिलवाना

चलना	चलाना	चलवाना
2. देखना	दिखाना	दिखवाना
भेजना	भिजाना	भिजवाना
खेलना	खिलाना	खिलवाना
देना	दिलाना	दिलवाना
3. सोना	सुलाना	सुलवाना
रोना	रुलाना	रुलवाना
धोना	धुलाना	धुलवाना
4. पीना	पिलाना	पिलवाना
सीना	सिलाना	सिलवाना
सीखना	सिखाना	सिखवाना
5. माँगना	मँगाना	मँगवाना
बाँटना	बँटाना	बँटवाना
माँझना	मँझाना	मँझवाना
जाँचना	जँचाना	जँचवाना

X .विलोमार्थक शब्द लिखिए :-

निकट x दूर ,
1. दिन x रात,
2. भीतर x बाहर,
3. चढ़ना x उतरना,

उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण
1. उपयोगि x अनुपयोगी,
2. उपस्थित x अनुपस्थित,
3. उचित x अनुचित,

विश्वास x अविश्वास,
1. प्रिय x अप्रिय,
2. संतोष x असंतोष,
3. स्वस्थ x अस्वस्थ,
आदर x अनादार,

ईमान x बेईमान,
1. होश x बेहोश,
2. खबर x बेखबर,
3. चैन x बेचैन,
रोजगार x बेरोजगार,

बलवान x बलहीन
1. बुद्धिमान x बुद्धिहीन
2. शक्तिमान x शक्तिहीन
3. दयावान x दयाहीन

धन x निर्धन
1. जन x निर्जन
2. बल x निर्बल
3. गुण x अवगुण / निर्गुण

XI . समानार्थक शब्दों को चुनकर लिखिए :-

(खाना, शरीर ,चिकित्सा, इलाज, देह,तलाश ,भोजन, साहस,अचरज , धैर्य, ढूढ़ आश्चर्य)

1. गात -- शरीर -- देह
2. आहार -- भोजन -- खाना
3. विस्मय -- अचरज -- आश्चर्य
4. हिम्मत -- साहस -- धैर्य
5. खोज -- तलाश -- ढूढ़

XII .कारक शब्द।

गमले के चारो और -- संबंध कारक

1. मुंह में एक बूंद पानी -- अधिकरण कारक
2. गिल्लू को पकड़कर -- कर्म कारक
3. जीवन का प्रथम संबंध -- संबंध कारक
4.खिड़की की खुली जाली -- संबंध कारक
5. मैंने की ले निकालकर -- कर्ता कारक

6. झूले से उतरकर -- अपादान कारक

7. सुराही पर लेट जाता -- अधिकरण कारक

8. कुछ पाने के लिए -- संप्रदान कारक

XIII . दी गई शब्द पहली से पशु- पक्षियों के नाम ढूंढकर लिखिए :-

मो	कु	म	यू	र
र	त्त	ग	रु	ड
हं	क	बू	त	र
स	बि	ल्ली	कौ	आ

1. मोर
2. मयूर
3. कुत्ता
4. गरुड
5. हंस
6. कबूतर
7. कौआ
8. बिल्ली

भाषा ज्ञान:-

1.संधि विच्छेद करके लिखिए :-

तल्लीन = तत् + लीन

चिदानंद = चित् + आनंद

दिगम्बर = दिक् + अम्बर

सज्जन = सत् + जन

सद्गति = सत् + गति

2.स्वर संधि और व्यंजन संधि के शब्दों की सूची बनाइए:

सदाचार , गिरीशा , वागीशा , इत्यादि , सदैव , जगन्नाथ , महोत्सव , षड्दर्शना, जगन्मोहन

स्वर संधि	व्यंजन संधि
सदाचार	जगन्मोहन
गिरीशा	जगन्नाथ
इत्यादि	षड्दर्शना
सदैव	
महोत्सव	

4. ಅಭಿನವ್ ಮನುಷ್ಯ / अभिनव मनुष्य

रामधारी सिंह 'दिनकर'

जन्म काल :- 23 सितंबर 1908,

जन्म स्थल :- बिहार प्रान्त के मुंगेरा जिले में हुआ।

पत्नी :- श्यामवती दिनकर

बच्चे :- मनरूप देवी , बाबू रवि सिंह

मृत्यु :- 24 अप्रैल 1974, बेगूसराय जिला

पुरस्कार :- पद्म भूषण (1959) , साहित्य अकादमी पुरस्कार (1959), साहित्य-चूड़ामणि (1968), ज्ञानपीठ (1972,उर्वशी काव्य)

प्रमुख रचनाएँ:- कुरुक्षेत्र, उर्वशी , प्रणभंग, रश्मिरथी , हुंकार , रसवंती , सामधेनी , इतिहास के आँसू , धूप और धुआँ, दिल्ली, , बापू , धूप-छाँह ।

प्रस्तुतांश :- " अभिनव मनुष्य " पद्य भाग " कुरुक्षेत्र " के षष्ट-सर्ग से लिया गया है।

कविता का आशय :-

प्रस्तुत कविता दिनकर जी के 'कुरुक्षेत्र के षष्ठ-सर्ग से ली गई है। इसमें आधुनिक मानव तथा वैज्ञानिक युग का विश्लेषण किया गया है। यद्यपि मानव ने प्रकृति के हर क्षेत्र में विजय प्राप्त कर ली है, तथापि उसने आपसी भाईचारा और प्रेम को नहीं पाया है।

अतः कवि की इच्छा है कि मनुष्य आपसी प्रेमभाव को समझे और तब कहीं वह सच्चा मानव कहलायेगा।

शब्दार्थ :-

1. अभिनव - नया,नवीन, आधुनिक, ಹೊಸ. 2. वारि -जल , भाप, ನೀರು.3.वाष्प- भाप,vapour,ಆವಿ, ಹಬೆ. 4.हुक्म - आज्ञा. ಆದೇಶ. 5. व्यवधान - परदा , रूकावट, बाधा , ತೊಂದರೆ. 6. सरित् - नदी , सरिता , ನದಿ. 7. सिंधु - सागर , समुद्र , ಸಮುದ್ರ. 8.आलोक - प्रकाश, ಬೆಳಕು. 9. ज्ञेय - जानकारी , ಮಾಹಿತಿ. 10. श्रेय - यश , कल्याण , मंगल, ಕೀರ್ತಿ.

I एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

1. आज की दुनिया कैसी है ?

उत्तरः आज की दुनिया " विचित्र और नवीन " है।

2. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?

उत्तरः मानव के हुक्म पर " पवन का ताप " चढ़ता और उतरता है ।

3. परमाणु किसे देखकर काँपते है?

उत्तरः परमाणु " मानव के करों " को देखकर काँपते है ।

4. 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए ।

उत्तरः 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम "रामधारी सिंह 'दिनकर' जी" है ।

5. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?

उत्तरः आधुनिक पुरुष ने " प्रकृति " पर विजय पायी है।

6. नर किन-किन को एक समान लाँघ सकता है ?

उत्तरः नर " नदि, सागर, पर्वत " को एक समान लाँघ सकता है ।

7. आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?

उत्तरः आज मनुज का यान " गगन " में जा रहा है ।

II दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1."प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय समझाइए । उत्तरः "प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय यह है कि, आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है और प्रकृति पर मानव सवार है एवं प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है ।

2. दिनकरजी के अनुसार मानव-मानव के सही परिचय क्या है ?

उत्तरः दिनकरजी के अनुसार मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना और एक मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए वही मानव कहलाने का अधिकारी है। यही मानव का सही परिचय है ।

3. इस कविता का दूसरा कौन-सा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?

उत्तरः इस कविता का दूसरा शीर्षक 'आधुनिक युग' दे सकते है । क्योंकि, मनुज ने आज प्रकृति के हर तत्व पर विजय पायी है, लेकिन मानव के संबंध को भुला बैठा है । आज मानव सब कुछ कर सकता है लेकिन मानव के आपस के प्रेम को समझने नही हुआ है ।

III. भावार्थ लिखिए :-

यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय,
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय । उत्तरः कवि दिनकरजी यह कहना चाहते है कि, यह मानव सृष्टि को शृंगार किया है। ज्ञान का विज्ञान का प्रकाश का आगार है । आकाश से पाताल तक सब कुछ इसे ज्ञान है । पर, यह मनुज का परिचय नही है और यह न उसका श्रेय भी है।

IV. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :-

उदा - नवीन - असीन

1. भाप - ताप
2. व्यवधान - सावधान
3. शृंगार - आगर
4. ज्ञेय - श्रेय
5. जीत - प्रीत

v. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :-

आज की दुनिया विचित्र नवीन;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।
है बँधे नर के करों में वारी, विद्युत, बाप,
हुकुम पर चढ़ता - उतरता है पवन का ताप ।

VI.पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

1. दुनिया - संसार - जगत
2. विचित्र - अजीब - गज़ब
3. नवीन - नया - नव
4. नर - पुरुष - आदमी
5. वारि - जल - पानी
6. कर - हाथ - हस्त
7. आगार - घर - गृह

VII. विलोम शब्द लिखिए :-

1. आज x कल
2. नवीन x प्राचीन
3. चढ़ता x उतरता
4. समान x असमान
5. ज्ञान x अज्ञान
6. जीत x हार
7. सीमित x असीमित
8. पुरुष x स्त्री
9. नर x नारी
10. तोड़ x जोड़

VIII. एक शब्द लिखिए :-

जैसे - सभी जगहों में - सर्वत्र

1. आसन पर बैठा हुआ - आसीन
2. बचा हुआ - शेष
3. मनु की संतान - मनुज
4. विशेष ज्ञान - विज्ञान
5. अधिक विद्या प्राप्त - विद्वान

IX. अनुरूपता शब्द लिखिए :-

1. गिरी : पहाड़ :: वारी : जल
2. पवन : वायु :: सिंधु : सागर
3. ज़मीन : आसमान :: आकाश : पाताल
4. नर : आदमी :: उर : छाती

कविता का सारांश / भावार्थ :-

1) आज की दुनिया विचित्र, नवीन;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
है बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
हैं नहीं बाकी कहीं व्यवधान
लाँघ सकता नर सरित् गिरि सिन्धु एक समान।

आज की दुनिया बड़ी विचित्र है और नवीन भी। आज प्रकृति के सर्व क्षेत्रों पर विजय पाकर मानव आसीन है। ऐसा लग रहा है कि उसने जल, विद्युत और भाप आदि पर अपना प्रभुत्व जमा लिया है। आज मनुष्य की आज्ञा से पवन का ताप घटता है और बढ़ता है। उसमें मनुष्य को कहीं रुकावट नहीं है। यहाँ तक कि सरिता, पहाड़ तथा सागर को भी आज मनुष्य सहजता से लाँघ सकता है।

2) यह मनुज,
जिसका गगन में जा रहा है यान,
काँपते जिसके करों को देख कर परमाणु।
यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय।

आज इसी मनुष्य का वायुयान आसमान में उड़ रहा है, परमाणु भी मानो मनुष्यों के करों को देखकर काँपते हैं। यह मनुष्य जो सृष्टि का श्रृंगार है, ज्ञान, विज्ञान और आलोक का आगार है; व्योम से पाताल तक की सब-कुछ उसे जानकारी है।

3) पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत,
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत;
एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
तोड़ दे जो, बस, वही ज्ञानी, वही विद्वान,
और मानव भी वही।

परन्तु कवि कहते हैं कि यह वास्तव में मनुष्य का परिचय नहीं है, यह उसका श्रेय नहीं है। श्रेय तो उसका है, जिसने बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत प्राप्त की हो। श्रेय उनको है, जिन्होंने असीमित मानवों से प्रेम किया है। श्रेय उनको है, जो एक-दूसरे के बीच की बाधा को मिटा दे। वास्तव में वही ज्ञानी और विद्वान है तथा सच्चा मानव भी वही है।

ಆಧುನಿಕ ಮನುಷ್ಯ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ :-

ಇಂದಿನ ಜಗತ್ತು ವಿಚಿತ್ರ ಮತ್ತು ಹೊಸದಾಗಿದೆ. ಪ್ರಕೃತಿಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲೆಡೆ ಪುರುಷನು ವಿಜಯಿಯಾಗಿ ಆಸೀನನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ಮನುಷ್ಯನ ಕೈಗಳಲ್ಲಿ ನೀರು, ವಿದ್ಯುತ್, ಉಷ್ಣತೆ ಬಂಧಿತವಾಗಿದೆ. ಆತನ ಆಜ್ಞೆಯಂತೆ ಗಾಳಿಯ ತಾಪಮಾನ ಹೆಚ್ಚುತ್ತದೆ ತಗ್ಗುತ್ತದೆ. ಎಲ್ಲಿಯೂ ಅಡ್ಡಿ ಆತಂಕಗಳು ಉಳಿದಿಲ್ಲ. ಮನುಷ್ಯನು ನದಿ, ಪರ್ವತ, ಸಮುದ್ರಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸಮನಾಗಿ ದಾಟಬಲ್ಲನು. ಈ ಮನುಷ್ಯ, ಯಾರ ಪ್ರಯಾಣ ಗಗನದಲ್ಲಿ ಸಾಗುತ್ತಿದೆಯೋ ಹಾಗೂ ಯಾರ ಕೈಗಳನ್ನು ಕಂಡು ಪರಮಾಣು ನಡುಗುತ್ತಿದೆಯೋ ಈ ಮನುಷ್ಯ, ಯಾರ ಸೃಷ್ಟಿಯ ಶೃಂಗಾರ, ಜ್ಞಾನ, ವಿಜ್ಞಾನ, ಪ್ರಕಾಶದ ಕಣಜ ಆಕಾಶದಿಂದ ಪಾತಾಳದವರೆಗೆ ಈತನಿಗೆ ತಿಳುವಳಿಕೆ ಇದೆ. ಆದರೆ ಇದು ಮನುಷ್ಯನ ಪರಿಚಯವಲ್ಲ, ಇದು ಆತನ ಕೀರ್ತಿಯಲ್ಲ ,ಬುದ್ಧಿಯ ಮೇಲೆ ಚೈತನ್ಯ ಹೃದಯದ ಗೆಲುವೇ ಆತನ ಕೀರ್ತಿ. ಮಾನವನ ಮಾನವರೊಂದಿಗಿರುವ ಪ್ರೀತಿಯೇ ಆತನ ಕೀರ್ತಿ ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನಿಂದ ಇನ್ನೊಬ್ಬನ ನಡುವೆ ಇರುವ ಪರದೆ ಅಥವಾ ಅಡ್ಡಿಯನ್ನು ಯಾರು ಸರಿಸುತ್ತಾರೋ, ಆತನೇ ಜ್ಞಾನಿ, ಆತನೇ ಪಂಡಿತ ಮತ್ತು ಮಾನವನೂ ಸಹ ಅವನೇ. ಕವಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಮನುಷ್ಯನು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಮನುಷ್ಯನ ನಡುವೆ ಸ್ನೇಹದ ಆಣೆಕಟ್ಟು ಕಟ್ಟುವುದು. ಕವಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಮನುಷ್ಯನು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ವಿಜಯಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ. ಆದರೆ ಆತನು ತನ್ನನ್ನೇ ತಾನು ತಿಳಿದಿಲ್ಲ. ತನ್ನ ಸಹೋದರತ್ವವನ್ನು ತಿಳಿದಿಲ್ಲ. ಪ್ರಕೃತಿಯ ಮೇಲೆ ವಿಜಯ ಸಾಧಿಸುವುದು ಮನುಷ್ಯನ ಸಾಧನೆಯಾಗಿದೆ. ಆದರೆ ಮನುಷ್ಯ ಸಿದ್ಧಿಯಾಗಿದೆ. ಮನುಷ್ಯನು ಮನುಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಪ್ರೇಮದ ಸಂಬಂಧ ಹೆಣೆದು, ಪರಸ್ಪರ ದ್ವೇಷವನ್ನು ಅಳಿಸಿದವನೇ ಮಾನವನಾಗಲು ಸಾಧ್ಯ.

5. मेरा बचपन

लेखक परिचय: डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

पूरा नाम : अउल फकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम।

जन्म : कलामजी का जन्म 15-10-1931 में हुआ ।

राष्ट्रपति : बड़े वैज्ञानिक डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी 25-07-2002 से 24-7-2007 तक हमारे देश के राष्ट्रपति थे ।

व्यक्तित्व : देश के आदर्श तथा ' जनवादी राष्ट्रपति ' के नाम से भारत के करोड़ – करोड़ हृदयों में प्रतिष्ठित कलाम जी अपनी 82वर्षे की उम्र में भी अनेकानेक सामाजिक प्रगतिशील आंदोलनों में अत्यंत सक्रिय रहे I बच्चों तथा युवकों के चैतन्यशील एवं बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माणार्थ आपके अभियान का मंत्र था -*'मैं क्या दूँ?' स्वपरिवर्तन की ओर उन्मुख इस अभियान का उद्घोष था - ईमानदार कार्य एवं ईमानदार का नाम। 'होमपाल' अभियान द्वारा आप बचपन में ही इन सवालों को बोना चाहते थे कि "मैं देश के लिए क्या दे सकता हूँ ? समाज एवं परिसर के लिए क्या कर सकता हूँ?"।*

प्रस्तुत आंश : अब्दुल कलाम जी का आत्मकथा " अग्नि की उड़ान " से लिया गया है ।

शब्दार्थ :-

कस्बा - छोटा शहर,ಸಣ್ಣ ನಗರ. **जीवन संगिनी** - पत्नी,ಜೀವನ ಸಂಗಾತಿ. **रोज़ाना** - नित्य,ಪ್ರತಿ ನಿತ್ಯ. **कद-काठी** - देह का गठन,ಕಡಿಮೆ ಎತ್ತರ. **समुचित** - योग्य,ಯೋಗ್ಯ. **पुश्तैनी** - पैतृक, जो पीढ़ियों से चला आता हो, जो कई पीढ़ियों तक चला जाय ,ಪೂರ್ವಾರ್ಜಿತ . **बहुल** – बहुत,ಬಹಳ. **पौ फटना** - (मुहावरा) प्रभात होना ,ಪ್ರಾತ:ಕಾಲ. **बुनियाद** - नींव,ಬೂನಾದಿ. **भरसक** - यथा शक्ति, ಶಕ್ತಿಯ ಅನುಸಾರ. **काम आना** - (मुहावरा) इस्तेमाल होना, काम में आना, ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರುವ. **तट** - किनारा, ದಂಡೆ. **रफ्तार** – गति,ವೇಗ, **रेत** - बालू,ಮರಳು. **असर** - प्रभाव,ಪ್ರಭಾವ, **जुमला** - कुल, ಒಟ್ಟು. **महसूस**- जिसका ज्ञान या अनुभव हो,ಅನುಭವವಾಗು. **ठेका** - a contract (नियतसमय या दर पर कोई काम या बात करने-कराने का इकरार) ,ಗುತ್ತಿಗೆ, **हतप्रभ** - निस्तेज, शिथिल,ನಿಸ್ತೇಜ. **करीबन** - लगभग ,ಹತ್ತಿರ, **स्तर**- मान,ಸ್ಥಾನ, **उपलब्धि** - प्राप्ति ,ಪ್ರಾಪ್ತಿ, **दायरा** - कार्यक्षेत्र, वृत्त , ಕಾರ್ಯ ಕ್ಷೇತ್ರ, **अक्सर** -प्राच,अधिकतर,ಬಹುಷ:. **वितरक**-बॉटनेवाल, ವಿತರಿಸುವವ. **कारोबार** - कार्यव्यापार, ವ್ಯವಹಾರ .

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलामजी का जन्म कहाँ हुआ ?

उत्तर : 'अब्दुल कलामजी का जन्म • तमिलनाडू के रामेश्वरम ' में हुआ था।

2. अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे ?

उत्तर : अब्दुल कलामजी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

3. अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ?

उत्तर : अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु 'पुस्तक ' थी।

4. अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई कौन थे ?

उत्तर : अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई शम्सुद्दीन थे।

5. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरु किया ?

उत्तर : जैनुलाबदीन ने - लकडी की नौकाएं बनाने का काम शुरु किया ।

II दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।

उत्तर : अब्दुल कलामजी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो - आरमवाली चीज़ों से दूर रहते थे । पर घर में सभी आवश्यक चीज़े समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

2. आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थी ?

उत्तर : आशियम्माजी अब्दुल कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती , साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी होती।

3. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?

उत्तर : जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते है कि 'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म - पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता' ।

4. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरु किया ?

उत्तर : अब्दुल कलामजी के पिताजी जैनुलाबदीन स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएं बनाने का काम शुरु किया।

III. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

उत्तर : शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे । अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी । इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे । रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थीं।

IV. इन मुहावरों पर ध्यान दीजिए।

1. पौ फटना - प्रभात होना ಪ್ರಾತಃಕಾಲ, ಬೆಳಿಗ್ಗೆ.

2. काम आना - काम में आना / इस्तेमाल होना ಉಪಯೋಗಕೆ ಬರುವ , ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಬರುವ.

V.अन्य वचन रूप लिखिए।

1. बच्चा - बच्चे , 2. गली – गलियाँ , 3. केला – केले,
4. नौका – नौकाएँ, 5. प्रतियाँ – प्रति, 6. पुस्तकें - पुस्तक,

VI.विलोम शब्द लिखिए।

1. बहुत X कम, 2.शाम X सुबह, 3. सफल X विफल/असफल,
4. अच्छा X बुरा, 5. बड़ा X छोटा, 6.अपना X पराया

VII जोडकर लिखिए।

1. मेरे पिता	1. जैनुलाबदी	4. अहमद जलालुद्दीन	4. अंतरंग मित्र
2. मद्रास राज्य	2. तमिलनाडु	5. पक्का दोस्त	5. रामानंद शास्त्री
3. शम्सुद्दीन	3. चचेरे भाई		

VII.रिक्त स्थान भरिए ।

1. आशीयम्मा उनकी आदर्श जीवन संगिनी थीं।
2. रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।
3. पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।
4. अख़बार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे।
5. अहमद जलालुद्दीन की ज़ोहरा के साथ शादी हो गई।

IX. अनुरूपता।

1. गांधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : राष्ट्रपति
2. जलालुद्दीन : जीजा :: शमसुद्दीन : चचेरे भाई
3. ट्रेन : भू-यात्रा :: नौका : जल यात्रा
4. हिंदू : मंदिर :: इस्लाम : मस्जिद

X. सहि शब्द से खाली स्थान भरिए।

1. अब्दुल कलाम का जन्म ----------में हुआ।
अ) चेन्नै आ) बेंगलुरु इ) रामेश्वरम् ई) श्रीरंगम्
2. रामेश्वरम में प्रतिष्ठित ------ मंदिर है ।
अ) विष्णु आ) अय्यप्पा इ) हनुमान ई) शिवा
3. जैनुलाबदीन की दिनचर्या ----------के पहले शुरू होती थी।
अ) पौ पटने आ) सूर्यास्त इ) दोपहर ई) श्याम
4. अहमद जलालुद्दीन अब्दुल कलाम को ----------कह कर पुकारा करते थे ।
अ) अब्दुल आ) आज़ाद इ) राष्ट्रवादी ई) कलाम

XI वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. जीवन संगिनी - सीता राम की जीवन संगिनी थी।
2. पुश्तैनी - हम हमारे पुश्तैनी घर में रहते है।
3. प्रसिद्ध - चिक्कतिरुपति प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।
4. दिनचर्या - भगवान की प्रार्थना के साथ मेरा दिनचर्या प्रारंभ होती है।
5. संतुष्टि - मेहनती लोग संतुष्टि का जीवन बिताते है ।

XII पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. घर – मकान, 2.आधार - बुनियाद, 3. साँझ - श्याम, 4. देह - शरीर, 5. दोस्त - मित्र ,

भाषा जान

। उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया शब्दों को लिखिए ।

क्रिया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप - द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप

उदा: पढ़ना - पढ़ाना – पढ़वाना

1.देखना	दिखाना	दिखवाना	6. चलना	चलाना	चलवाना
2.सुनना	सुनाना	सुनवाना	7. बैठना	बिठाना	बिठवाना
3. करना	कराना	करवाना	8. रोना	रुलाना	रुलवाना
4.जगना	जगाना	जगवाना	9. धोना	धुलाना	धुलवाना
5.भेजना	भिजाना	भिजवाना	10. देना	दिलाना	दिलवाना

॥उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक शब्दों की सहायता से पाँच वाक्य बनाइए।

उदा: अध्यापक कहानी सुनाते है।

1. अध्यापक पाठ पढ़ाते है। 2.अध्यापक काम कराते है। 3.अध्यापक सही रास्ता दिखाते है।
4. अध्यापक खाना खिलाते है। 5. अध्यापक खेल खिलाते है।

पाठ का आशय:

भारत के राष्ट्रपति कलाम जी का जीवन सादगी का मिसाल था। उनके माता-पिता का परिश्रम, आडंबरहीन जीवन सबके लिए आदर्शप्राय है। उनका परिवार अतिथियों की सेवा से संतृप्त था। उनका परिवार धार्मिक एकता को मानता था। बच्चों के चैतन्यशील, बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माण के लिए ऐसे आदर्श व्यक्तियों की जीवनी प्रेरणाप्रद है।

बसंत की सच्चाई। { एकांकी }

लेखक परिचय : विष्णु प्रभाकर (1912-2009)

स्थान : मानव-जीवन का यथार्थ चित्रण करनेवाले लेखकों में विष्णु प्रभाकर जी का महत्वपूर्ण स्थान है।

जन्म : सन् 1912 ई. में हुआ।

स्थल : उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर के मीरपुर में हुआ।

शिक्षा और वृत्ति : पंजाब में शिक्षा पाकर वहीं 15 वर्ष तक उन्होंने सरकारी नौकरी की। सन् 1955 में आकाशवाणी के दिल्ली केंद्र में नाटक निर्देशक बने। डेढ़ वर्ष बाद वहाँ त्यागपत्र दिया और तब से स्वतंत्र साहित्यिक के रूप में जीवन यापन कर रहे थे।

विशेषता : विष्णु प्रभाकर जी गांधीवादी लेखक माने जाते हैं। आपके एकांकी मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत हैं। मानवीय संबंधों का मनोवैज्ञानिक धरातल पर भावात्मक चित्रण उनके एकांकियों की विशेषता है।

प्रमुख रचनाएँ : आवारा मसीहा, तट के बंधन, निशिकांत, दर्पण का व्यक्ति, धरती अब भी घूम रही है, युगे-युगे क्रांति, गृहस्थी आदि।

पाठ का आशय:

विष्णु प्रभाकर मानव-मन के पारखी लेखक हैं। इस एकांकी में उन्होंने स्वाभिमान, परदुः खकातरता जैसी मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण किया है। गरीब होकर भी स्वाभिमानी और परिश्रम की कमाई से जीनेवाले बसंत और प्रताप एक ओर हैं तो दूसरी ओर कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए आदर के साथ व्यवहार करनेवाले राजकिशोर जैसे पात्र अनुसरणीय हैं।

शब्दार्थ :

राह - रास्ता,मार्ग, ಮಾರ್ಗ, ದಾರಿ. **दियासलाई** - ಬೆಂಕಿ ಕಡ್ಡಿ, Matchstick. **छलनी** - जालीदार छोटा उपकरण, ಸೋಸುವ ಜಾಲಿ. **एक आना** - छः पैसे, 6 ಪೈಸೆ. **रुआँ-सा** – रोने जैसे, ಅಳುವ ಹಾಗೆ. **अहीर**- -ग्वाला, ಗೊಲ್ಲ. **ओठ-भींचना** - दर्द सहन करना, ನೋವನ್ನು ಸಹಿಸುವುದು. **फेरीवाले**- घूमफिरकर - सामान बेचनेवाले व्यापारी, ತಿರುಗಾಡಿ ಮಾರುವ ವ್ಯಾಪಾರಿ. **भुना लाना** - बड़े सिक्के को चिल्लर/छुट्टे के रुप में बदलना, ದೊಡ್ಡ ನಾಣ್ಯವನ್ನು ಚಿಲ್ಲರೆಯಾಗಿ ಬದಲಾಯಿಸುವುದು.

ओसारा - बरामदा, घर के आगे का भाग, ಮನೆಯ ಮುಂದಿನ ಭಾಗ. **शक्ल** – स्वरुप, आकृति, ಮುಖ. **व्यग्रता** - व्याकुल, उद्विग्न, बेचैन, ಅಶಾಂತಿ.

अभ्यास :

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. बसंत क्या-क्या बेचता था ?

उत्तर : बसंत ' बटन, छलनी और दियासलाई आदि ' वस्तुओं को बेचता था ।

2. बसंत के भाई के नाम क्या था ?

उत्तर : बसंत के भाई के नाम प्रताप' था।

3. पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे ?

उत्तर : पंडित राजकिशोर – मजदूरों के नेता ' थे।

4. छलनी का दाम क्या था ?

उत्तर : छलनी का दाम दो' आना था ।

5. बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?

उत्तर : बसंत और प्रताप • भीखू अहीर ' के घर में रहते थे।

6. बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य है।

उत्तर : बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन ' दृश्य है।

7. एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है ?

उत्तर : एकांकी का प्रथम दृश्य नगर के बाज़ार में घटता है।

8. बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है ?

उत्तर : बसंत के घर पर डॉक्टर को अमर सिंह' ले आता है।

9. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है ?

उत्तर : पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी है।

10.पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे ?

उत्तर : पं. राजकिशोर ' किशनगंज ' में रहते थे।

II दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. छलनी से क्या-क्या कर सकते है ?

उत्तर : छलनी से चाय छान सकते है और दूध छान सकते है। छलनी रसोईघर में काम आनेवाली एक मुख्य वस्तु है।

2. बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है?

उत्तर : बसंत राजकिशोर से विनती करता है कि, साहब बटन लीजिए, देसी बटन है । साहब दियासलाई लीजिए । साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आप से आशा थी। एक तो ले लीजिए।

3. बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

उत्तर : बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि, वह तो भीख है । वह भीख नहीं लेना नही चाहता था । वह मेहनत और ईमानदारी से जीना चाहता था।

4. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नही लौटा ?

उत्तर : बसंत राजकिशोर के पास नही लौटा क्योंकि, बसंत पं.राजकिशोर के नोट लेकर भुनाकर वापस लौट रहा था तब, वह एक मोटर के नीचे आ गया था । मोटर ऊपर से निकल जाने के कारण बेहोश हो गया था।

5. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ?

उत्तर : प्रताप राजकिशोर के घर आया क्योंकि, उसके बड़े भाई बसंत ने राजकिशोर के चिल्लर वापस करने के लिए कहा था । वह पं. राजकिशोर के साढ़े चौदह (14 1/2) आने देने के लिए उनके घर आया था।

6. बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया ?

उत्तर : बसंत राजकिशोर से विनती करता है कि, साहब छलनी लीजिए, छलनी से चाय छानिए और दूध साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आप से आशा थी । एक तो ले लीजिए। छनिए । सिर्फ दो आना कीमत है । साहब बटन लीजिए, देसी बटन है । साहब दियासलाई लीजिए।

7. बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा ?

उत्तर : बसंत के पैर देखकर डॉक्टर कहते है कि, पंडितजी ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। स्क्रीन करके देखना होगा । दूसरा पैर ठीक है, परंतु इसे अभी तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

III चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. बसंत ईमानदार लडका है । कैसे ?

उत्तर : बसंत ईमानदार लडका है क्योंकि, बसंत मेहनत से जीना चाहता था। इस कारण वह बाज़ार में चीजे बेचता है । मोटर दुर्घटना में उसकी हड्डी टूटने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पं. राजकिशोर के घर उनके चिल्लर पैसे देने भेजता है । पं. राजकिशोर बसंत को दो पैसे दिए तो, बसंत उस पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि वह उसे भीख समझता है, वह भीख लेना नहीं चाहता है।

2. बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते थे ?

उत्तर : बसंत और प्रताप अहीर के घर में रहते थे क्योंकि, वे अनाथ और गरीब थे । उनका कोई खास घर नहीं था। उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई थी । दंगों के दिनों में उन्हें किसी ने मार डाला।

3. राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

उत्तर : पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे । वे गरीबों के प्रति हमेशा हमदर्दी दिखाते थे। इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलनी खरीदा उसके भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था । प्रताप द्वारा मोटर दुर्घटना के विषय मालूम होने पर वे सीधे अहीर टीले में रहने वाले घर जाता है । वहाँ डॉक्टर को भी बुलाता है और उसे चिकित्सा करवाता है। इससे पता चलता है कि पं.राजकिशोर के मानवीयता अत्यंत उच्च स्थान में है।

IV. अनुरूपता :

1. पंडित राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : अहीर टीला।
2. पंडित राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : गरीब लडका
3. पंडित राजकिशोर : मालिक :: अमर सिंह : नौकर
4. प्रताप : छोटा भाई :: वर्मा : डॉक्टर
5. ? : प्रश्नार्थक चिन्ह :: ! : विस्मयादि बोधक

V. रिक्त स्थान भरिए।

1. मैं अभी बाजार से भुना लाता हूँ।
2. मई आपके साढे चौदह आने लाया हूँ।
3. हम दोनों भीखू अहीर के घर में रहते हैं।
4. मैं एम्बुलेन्स के लिए फोन कर आता हूँ।
5. इसमें एक दुर्लभ गुण है, यह ईमानदार है।

VI. निम्न लिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए।

1.एक छलनी में तुम्हें क्या बचेगा ? (वर्तमान काल में)

उत्तर : एक छलनी में तुम्हें क्या बचता है।

2. मैं अभी बाज़ार से भुना लाता हूँ। (भूतकाल में)

उत्तर : मैं अभी बाज़ार से भुना लाया था।

3. एक दूसरे व्यक्ति से पूछेता है।(भविष्यत काल में)

उत्तर : एक दूसरे व्यक्ति से पूछेगा ।

VII विलोमार्थक शब्द लिखिए।

1. पीछे X आगे, 2. खरीदना X बेचना, 3. लेना X देना, 4. आना X जाना, 5. शांति X अशांति, 6. गरीब X अमीर.

VIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

1. उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है। ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸರಿ ಸುಮಾರು ೧೨ ವರ್ಷ ಆಗಿದೆ.
2. सवेरे से अब तक कुछ नहीं बिका। ಬೆಳಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಏನೂ ಮಾರಾಟ ಆಗಲಿಲ್ಲ.
3. मैं भीख नहीं लूंगा। ನಾನು ಬಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
4. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए। ಬಹಳ ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದೆವು.

5. बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है। ಬಸಂತ ತುಟಿ ಕಚ್ಚಿ ನೋವಿನಿಂದ ಉಸಿರೆಳೆದನು.

6. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है। ಇವನು ಬಡವನಾದರು ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಪರೂಪದ ಗುಣವಿದೆ.

VIII.भाषा ज्ञान :

I लिंग पहचानकर अलग-अलग सूची बनाइए और उनके अन्य लिंग शब्द लिखिए।

लड़का, बच्ची, दुबला, पतला, थैली, साहिबा, भाई, माँ, डॉक्टर, पंडिताइन.

पुल्लिंग - स्त्री लिंग, 1. लड़का – लड़की, 2. बच्चा – बच्ची, 3. दुबला – दुबली, 4.पतला – पतली,

5. थैला – थैली, 6. साहब – साहिबा, 7. भाई – बहन, 8. बाप - माँ, 9. डॉक्टर - डॉक्टराइन,

10. पंडित - पंडिताइन.

II. रेखांकित शब्द का वचन पहचानिए और उस शब्द का अन्य वचन रूप लिखिए।

उदा : राजकिशोर पर इस बात का बड़ा असर होता है। बातें

1. फिर वे जेब टटोलते हैं। जेब
2. अंदर से आवाज़ आती है। आवाज़े
3. एक लड़के की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई हैं। टाँग
4. बसंत आँखें बंद कर लेता है। आँख
5. लोग अपने-अपने घर लौट रहे हैं। घर
6. लोग घर की ओर लौट रहे हैं। लोग
7. मजदूरों की बस्ती में राजकिशोर का मकान है। मकान
8. बसंत के दोनों पैर कुचले गए। पैर
9. मेरे पास पैसे नहीं हैं। पैसा
10. उसका कपड़ा फटा है। कपड़े
11. राजकिशोर खिड़की से झाँकते हैं। खिडकियाँ
12. बसंत के पैर की हड्डी टूट गयी है। हड्डियाँ

III. रिक्त स्थान भरिए:

	समस्त पद	विग्रह वाक्य	समास का भेद
उदा:	बेहोश	होश जिसमें न हो	अव्ययीभाव समास
१.	सुविधानुसार	सुविधा के अनुसार	तत्पुरुष समास
२.	दुबला-पतला	दुबला और पतला	द्वन्द्व समास
३.	नीला परदा	नीले रंगवाला परदा	कर्मधारय समास
४.	पंद्रह मिनट	पंद्रह मिनट का समय	द्विगु समास
५.	टूटे हैं पैर जिसके	टूटे हैं पैर जिसके	बहुव्रीहि समास

==========

7. तुलसी के दोहे

कवि परिचयः

गोस्वामी तुलसीदास (सन्1532-1623)

जन्म : सन् 1532 में उत्तर प्रदेश के राजापुर में हुआ था। भक्त : तुलसीदास भगवान राम के अनन्य भक्त थे।

शाखा : गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि हैं।

पिता : आत्माराम और माता हुलसी था। बचपन का नाम : कहा जाता है कि जब तुलसीदास जी का जन्म हुआ, तब उन्होंने राम नाम का उच्चारण किया था। इसलिए उनके बचपन का नाम 'रामबोला' पड़ा।

प्रमुख रचनाएँ : रामचरित मानस, विनय-पत्रिका, गीतावली, दोहावली, कवितावली आदि।

मरण : सन् 1623 को काशी में उनका देहांत हुआ।

शब्दार्थ :

मुखिया - नेता, ಮುಖಂಡ, ನಾಯಕ. सकल - संपूर्ण, ಸಂಪೂರ್ಣ. विस्व - संसार, ಜಗತ್ತು, ವಿಶ್ವ. कीन्ह - किया, ಮಾಡಿರುವ. करतार-सृष्टिकर्ता, ಸೃಷ್ಟಿಕರ್ತ. पय - दूध, ಹಾಲು.परिहरि - त्यागना, ತ್ಯಜಿಸು. वारि - पानी, ನೀರು, ಜಲ. घट - शरीर, ದೇಹ, ಶರೀರ. विपत्ति-संकट, ವಿಪತ್ತು, ಸಂಕಟ. सुकृति - अच्छे कार्य, ಒಳ್ಳೆಯ ಕಾರ್ಯ. जीह - जीभ, ನಾಲಿಗೆ. चाहसी - चारों ओर,ನಾಲ್ಕು ಕಡೆ.

दोहों का आशय :

तुलसीदास जी ने इन दोहों में मुखिया के लक्षण, संत का स्वभाव आदि पर प्रकाश डाला है। साथ ही उन्होंने दया-धर्म का महत्व, अभिमान, त्याग, विवेकयुत व्यवहार, राम पर विश्वास, राम नाम जाप इत्यादि का बखान करते हुए सुझाव दिया है कि इनसान को नीतियुत जीवन बिताना चाहिए।

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. तुलसीदास मुख को क्या मानते है ? उत्तर : तुलसीदास मुख को " मुखिया " मानते है।
2. मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ? उत्तर : मुखिया को " मुँह " के समान रहना चाहिए।
3. हंस का गुण कैसा होता है ? उत्तर : हंस का गुण " पानी छोडकर सिर्फ दूध " पीने का गुण होता है ।
4. मुख किसका पालन-पोषण करता है ? उत्तर : मुख " शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है।
5. दया किसका मूल है ? उत्तर : दया "धर्म" का मूल है।
6. तुलसीदासजी किस शाखा के कवि है ? उत्तर : तुलसीदासजी " भक्तिकाल की रामभक्ति" शाखा के कवि है
7. तुलसीदासजी के माता-पिता का नाम क्या था ?

उत्तर : तुलसीदासजी के "माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम " था।

8. तुलसीदासजी के बचपन का नाम क्या था ?

उत्तर : तुलसीदासजी के बचपन का नाम " रामबोला" था ।

9. पाप का मूल क्या है ? उत्तर : पाप का मूल " अभिमान (अहंकार)" है।
10. तुलसीदासजी के अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?

उत्तर : तुलसीदासजी के अनुसार विपत्ति के साथी " विद्या, विनय और विवेक " है ।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. मुखिया को मुख के समान होना चाहिए क्यों । कैसे ?

उत्तर : तुलसीदासजी कहते है कि, मुखिया(नेता) मुख (मुंह) के समान होना चाहिए। जिस प्रकार मुँह खाने पीने की काम केवल अकेला ही करता है, लेकिन उससे शरीर के सकल अंगों का पालन-पोषण होता है। उसी तरह मुखिया काम अपने तरह से करना चाहिए। लेकिन उस काम का फल सभी को मिलना चाहिए।

2. मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए ?

उत्तर : तुलसीदासजी कहते है कि, भगवान इस जगत में जड़-चेतन, गुण-दोष,(अच्छे-बुरे) आदि मिलाकर बनाया गया है । लेकिन जिस प्रकार हंस पक्षी पानी को छोडकर सिर्फ दूध को पीती है, उसी तरह हंस रूपि साधु लोग बुराईयों को छोडकर अच्छा गुणों को अपनाना चाहिए।

3. मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ?

उत्तर : तुलसीदासजी कहते है कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के अंदर और बाहर आँगन में प्रकाश फैलता है , उसी प्रकार राम-नाम जपने से मानव आंतरिक और बाह्य रूप से शुद्ध बनता है।

III अनुरूपता

1. दया : धर्म का मूल : : पापा : मूल अभिमान

2 परिहरि : त्यागना : : करतार : सृष्टिकर्ता

3. जीह : जीभ : : देहरी : देहलीज़

IV भावार्थ लिखिए :

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक। पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ।।

उत्तर: प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास मुख अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता - पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

2. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक । साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ।।

उत्तर : तुलसीदासजी कहते है कि, मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है । तब उसकी विद्या, विनय और विवेक ही उसका साथ निभाता है, और तुलसीदासजी यह भी कहते है कि, जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यवान और अच्छे काम करने वाला (सुकृतवान) बनता है

VI जोड़कर लिखिए।

अ	ब		
1. विश्व कीन्ह	करतार	3. जब लग घट	में प्राण
2. परिहरि वारि	विकार	4. सुसत्यव्रत	राम भरोसो एक

VII पूर्ण कीजिए।

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
2. पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ।
3. राम नाम मनि दीप धरू, जीह देहरी द्वार ।
4. तुलसी भीतर बहिरौ, जो चाहसी उजियार।

VII उचित विलोम शब्द पर सही (✓) का निशान लगाइए।

1. विवेक	सेवक	( )	अविवेक	(✓)
2. दया	निर्दया	(✓)	शुभोदया	( )
3 .धर्म	मर्म	( )	अधर्म	(✓)
4. विकार	अविकार	(✓)	संस्कार	( )
5. विनय	सविनय	( )	अविनय	(✓)

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

1.दया और पाप का मूल के बारे में तुलसीदासजी क्या कहते है ?

तुलसीदासजी कहते है कि, धर्म का मूल दया है और पाप का मूल अभिमान (अहंकार) है । इस कारण जब तक हमारे शरीर में प्राण है तब तक मानव को अपना अभिमान छोडकर दयालु बनना चाहिए ।

2. तुलसीदासजी अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?

तुलसीदासजी कहते है कि, मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है । तब उसकी विद्या, विनय और विवेक ही उसका साथ निभाता है, और तुलसीदासजी यह भी कहते है कि, जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यवान और अच्छे काम करने वाला बनता है।

तुलसी के दोहे कंठस्थ कीजिए :1.मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।2.जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार। संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ।।

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान । तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ।।

4.तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक। साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ।।

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार । तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ।

ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ.

ಈ ದೋಹೆಯಲ್ಲಿ ಮುಖಂಡನು ಬಾಯಿಯಂತೆ ಇರಬೇಕೆಂದು ತುಲಸೀದಾಸರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಮನುಷ್ಯನ ಶರೀರದಲ್ಲಿ ಬಾಯಿಯು ತಿನ್ನುವ-ಕುಡಿಯುವ ಕೆಲಸವನ್ನು ಒಂಟಿಯಾಗಿಯೇ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ಅದು ತಿನ್ನುವುದು ಮತ್ತು ಕುಡಿಯುವುದರ ಮುಖಾಂತರ ಶರೀರದ ಎಲ್ಲ ಅಂಗಾಂಗಗಳ ಪಾಲನೆ ಪೋಷಣೆ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಇದೇ ರೀತಿಯಾಗಿ ಮುಖಂಡನೂ ಸಹ ಹೀಗೆಯೇ ವಿವೇಕವುಳ್ಳವನಾಗಿ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡಬೇಕು. ಆತನು ತನ್ನದೇ ಆದ ರೀತಿಯಿಂದ ಕೆಲಸ ಮಾಡಿ ಆದರೆ ಅದರ ಫಲವನ್ನು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಹಂಚಬೇಕು. ಮುಖಂಡನು ವಿವೇಕದಿಂದ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರೆ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸುಖ ಸಿಗುವುದು.

ಇಲ್ಲಿ ತುಲಸೀದಾಸರು ಸಾಧು ಸಂತರು ಹಂಸ ಪಕ್ಷಿಯಂತೆ ಇರಬೇಕೆಂದು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ದೇವರು ಅಥವಾ ಸೃಷ್ಟಿಕರ್ತನು ಈ ಜಗತ್ತನ್ನು ಸೃಷ್ಟಿಸುವಾಗ ಇಲ್ಲಿ ಜಡ ಚೇತನ ವಸ್ತುಗಳು ಹಾಗೂ ಗುಣದೋಷಗಳನ್ನು ತುಂಬಿ, ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಕೂಡಿಸಿ ಸೃಷ್ಟಿಸಿದ್ದಾನೆ. ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಹಾಗೂ ಕೆಟ್ಟ ಜ್ಞಾನ-ಅಜ್ಞಾನ, ಗುಣದೋಷಗಳು ತುಂಬಿವೆ. ಹಂಸಪಕ್ಷಿಯು ಸೌರವನ್ನು ಹೀರಿ ಸಾರಹೀನ ವಸ್ತುವನ್ನು ತ್ಯಜಿಸುತ್ತದೆ. ಹೀಗೆಯೇ ಸಂತರು ನೀರಿನಂತಿರುವ ಕೆಟ್ಟ ವಿಕಾರ ಗುಣಗಳನ್ನು ಬಿಟ್ಟು, ಪರಿತ್ಯಾಗ ಮಾಡಿ ಹಾಲಿನಂತಿರುವ ಒಳ್ಳೆಯ ಗುಣಗಳನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸುತ್ತಾರೆ.

ಇಲ್ಲಿ ತುಲಸೀದಾಸರು ಹೇಳುವಂತೆ ದಯೆಯೇ ಧರ್ಮದ ಮೂಲ ಹಾಗೂ ಅಭಿಮಾನ ಅಥವಾ ಗರ್ವ ಪಾಪದ ಮೂಲವಾಗಿದೆ. ಆದುದರಿಂದ ಶರೀರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಣವಿರುವತನಕ ಗರ್ವವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ದಯಾವುಳ್ಳವನಾಗಬೇಕು. ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಶರೀರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಣವಿರುವತನಕ ದಯೆಯನ್ನು ಬಿಡಬಾರದು ಎಂದು ತುಲಸಿದಾಸರು ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ.

ಇಲ್ಲಿ ತುಲಸೀದಾಸರು ವಿದ್ಯೆ, ವಿನಯ ಹಾಗೂ ವಿವೇಕದ ಮಹತ್ವವನ್ನು ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ. ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಸಂಕಟ ವಿಪತ್ತು ಎದುರಾದಾಗ ವಿದ್ಯೆ, ವಿನಯ ಮತ್ತು ವಿವೇಕ ಎಂಬವುಗಳು ಸಹಾಯಕ್ಕೆ ಬರುತ್ತವೆ ಹಾಗೂ ಇವುಗಳು ಮನುಷ್ಯನ ಸಂಗಡಿಗರಾಗುತ್ತವೆ. ಇವುಗಳಿಂದ ಸಂಕಟ ಮತ್ತು ವಿಪತ್ತ ವಿಶ್ವಾಸವಿಡುತ್ತಾರೋ ಅವರು ಸಾಹಸಿ, ಸತ್ಯವಂತ ಹಾಗೂ ಸುಕೃತಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾರೆ ಎಂದು ತುಲಸೀದಾಸರು ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ.

8. इंटरनेट क्रांति (संकलित){निबंध}

पाठ का आशय:

वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इटरनेट से मानव की जीवनशैली और उसकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है। आज इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों क्षेत्र कमजोर हो जाते हैं। इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक जगह ला खड़ा कर दिया है। जीवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है।

शब्दार्थ :

दायरा - क्षेत्र, सीमा; ಸೀಮೆ, ಕ್ಷೇತ್ರ. तकनीकी - प्रौद्योगिकी,Technology; ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ. नज़रिया - दृष्टिकोण, ದೃಷ್ಟಿಕೋನ.सुझाव - सलाह, ಸಲಹೆ. अनगिनत - असंख्य, ಅಸಂಖ್ಯ.खबर - समाचार, ಸಮಾಚಾರ.व्यय - खर्च करना,ವ್ಯಯ, ಖರ್ಚು ಮಾಡು. सूचना - जानकारी,Information; ಸೂಚನೆ, ಮಾಹಿತಿ. ठप पड़ता - बंद होना, ಮುಚ್ಚಲ್ಪಡು. रकम - धनराशि, ಧನ ರಾಶಿ. खोज - शोध, अन्वेषण; ಅವಿಷ್ಕಾರ, ಶೋಧ. अभिलेख - लिखित विवरण, Record; ಲಿಖಿತ ಬರವಣಿಗೆ. यथावत् - जैसे के वैसे, ಇದ್ದದ್ದು ಇದ್ದ ಹಾಗೆ. पैरसी - चुराकर नकली प्रतियाँ बनाना, Piracy; ಕಳ್ಳತನದಿಂದ ನಕಲಿಸುವುದು. फ्रॉड - धोखा, fraud; ಮೋಸ. पाश - बंधन, फंदा: ಬಂದನ , ಪಾಶಾ, ನೇಣು ಹಗ್ಗ. हासिल करना - प्राप्त करना, ಪ್ರಾಪ್ತಿಯಾಗು. इनफारमेशन टैक्नोलाजी - सूचना प्रौद्योगिकी। ಮಾಹಿತಿ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ.

टिप्पणी :

1. संचार माध्यम - समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है।

2. वीडियो कान्फरेन्स - Video Conference - एक सभागार जिसमें कई लोगों के साथ 8-10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

3. इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस - सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा संभाव्य सेवाएँ -सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा प्राप्त करायी जानेवाली सेवाएँ, जैसे - बी.पी.ओ.।

4.कबंध बाँहे - कबंध नामक एक राक्षस था जिसकी बाँहें लंबी होकर कहीं भी पहुंच सकती थीं। कहा जाता है कि जब उसने अपनी बाँहों में श्रीराम तथा लक्ष्मण को फंसाया था, तब श्रीराम ने उसकी बाँहों को काट दिया था। प्रस्तुत पाठ में इंटरनेट के व्यापक प्रभाव को दिखाने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

5. दिन-प्रतिदिन तकनीकी-परिवर्तन होता रहेगा। उसके अनुरूप इंटरनेट क्षेत्र में भी परिवर्तन होते रहेंगे।

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1.इंटरनेट का अर्थ क्या है?

उत्तर : इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

उत्तर :इंटरनेट बैंकिंग द्वारा पैसे ' भेजा जा सकता है।

3 . प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे है ?

उत्तर :प्रगतिशील राष्ट्र ' ई-गवर्नेन्स ' द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहा है।

4. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है ?

उत्तर :चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष, विज्ञान, शिक्षा, रक्षादल, उद्योग धंधे ' आदि सभी क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है।

5. इंटरनेट का असर किस पर पड़ा है ?

उत्तर :इंटरनेट का असर – बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों ' तक सभी पर पड़ा है।

6. आई. टी. ई. एस का विस्तृत रूप क्या है ?

उत्तर :आई. टी. ई. एस - इनफारमेशन टैक्नालजी एनेबल्ड सर्वीसेस।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. इंटरनेट का मतलब क्या है ?

उत्तर :इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?

उत्तर :व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है । कोई भी बिल भर सकते है । बैंकिंग में । इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3. ई-गवर्नेस क्या है ?

उत्तर :ई - गवर्नेस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवर्ण, अभिलेख ,सरकारी आदेश को यतावत लोगों को सूचित किया जाता है । इससे प्रशासन पारदर्शि बन सकता है ।

III. चार-पाँच वात्सों में उत्तर लिखिए।

1.संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उत्तर : संचार व सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का बड़ा महत्व है ।इसके द्वारा दूर के रहनेवाले रिश्तेदार या दोस्तों को कोई विचार,विषय,स्थिर चित्र, वीडियो चित्र हो आसानी से कम खर्चे में भेजी जाती है।

2. वीडियो कांफ्रेंस के बारे में लिखिए।

उत्तर : वीडियो कान्फ्रेंस (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठ कर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8 - 10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहने वाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं।

3. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उत्तर: 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे - फेसबुक आरकूट, ट्विट्टर ,लिंक्डइन आदि ।इन साइटों के कारण देश - विदेशों के लोगों की रहन-सहन , वेश-भूषा, खान - पाना के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्र अति शीघ्र जानकारी मिलती है।

4. इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती है ?

उत्तर : इंटरनेट से कई हानियाँ हो सकती है । जैसे- पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है । मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से बच्चे और युव पीढी फँसे हुए है । इससे वक्त का दुरुपयोग होता है । बच्चे | अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकरी प्राप्त करते है।

IV. अनुरूपता।

1. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर्जाल

2.आ.टी: इनफारमेशन टैक्नालजी :: आई. टी. ई. एस : इनफारमेशन टैक्नालजी एनेबल्ड सर्वीसेस

3. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप

4. वीडियो कॉन्फ्रेंस : विचार विनिमय :: ई - प्रशासन : पारदर्शि प्रशासन

V. जोडकर लिखिए।

1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को	1. एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है।
2. इंटरनेट द्वारा कोई भी	2, बिल भर सकते है।
3. इंटरनेट समाज के लिए	3. बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ ।
4. इंटरनेट की वजह से	4. पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5. इंटरनेट से सबको	5. सचेत रहना चाहिए।

VI. कोष्टक में दिए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

1. इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का--------है। (अंतर्जाल, बहिर्जाल)

2. आई. टी और आई. टी. ई. एस से अनगिनत लोगों को-------- मिला है। (कपड़ा, रोज़गार)

3. सोशल नेटवर्किंग के कई---------- हैं। (साइड्स, साइट्स)

4. ई-गवर्नेस से प्रशासन ------ बन सकता है । (पारदर्शी, अपारदर्शी)

5. इंटरनेट सचमुच एक-------है। (अभयदान, वरदान)

6. देश के----------की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। (रक्षादलों, पुलिसदलों)

7. इंटरनेट एक ओर वरदान है तो वह----------भी है। (अपहास, अभिशाप)

VII. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

1. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣವಾದ ಅಂಗ ಆಗಿದೆ.

2. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

2. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಬಹುದು.

3. इंटरनेट की सहायता से बेरोज़गारी को मिटा सकते हैं ।

3. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್‌ನ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ನಿವಾರಿಸಬಹುದು.

VIII सही विलोम शब्दों को चुनकर लिखिए।

1.बढ़ना X घटना, 2. स्थिर X अस्थिर, 3. मुमकिन X नामुमकिन, 4. वरदान X अभिशाप, 5. दुरुपयोग X उपयोग, 6. अनुपयुक्त X उपयुक्त

IX अन्य वचन रूप लिखिए।

उदा - पैसा - पैसे

1. परदा - परदे,
2. कमरा – कमरे
3. दायरा – दायरे

उदा -खबर -खबरें

1. किताब - किताबें
2. जगह - जगहें
3. कोशिश - कोशिशें

उदा- युग-युग

1. दोस्त - दोस्त
2. कंप्यूटर – कंप्यूटर
3. रिश्तेदार - रिश्तेदार

उदा - जिंदगी-जिंदगियाँ

1. जानकारी - जानकारियाँ
2. चिट्ठी - चिट्ठियाँ
3. जीवनशैली - जीवनशैलियाँ

X. इन वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिह्नों का नाम लिखिए I

1. आज का युग इंटरनेट युग है । (|) पूर्ण विराम चिह्न 2. इंटरनेट का मतलब क्या है ? (?) प्रश्नवाचक चिह्न
3. बड़ा अच्छा सवाल है ! (!)विस्मयादिबोधकचिह्न 4.लोगों के साथ विचार - विनिमय कर सकते हैं । (-) योजक चिह्न
5. हाँ हाँ , दुष्परिणाम हैं । (,) अल्प विराम चिह्न

XII शब्द खोज :

न	डे	सँ	रा	इँ	प्र	अ	सा	टा
जा	क	प्ता	व	क्क	डि	इ	न्न	म
र	यु	म्स	वि	ज	भा	य	हि	ड
क	उ	र	न	क्त	हि	न	स्था	आँ
क	फ	हे	य	त	न	ए	हिँ	प्र
वा	क्स	दु	प	इँ	रा	टा	र्ना	वा
डि	इ	णी	ज	प्रे	स्ता	त्रि	भा	ट
णी	या	ल्ड	न	का	स	ला	क	म्स

उदा : हिन्दी = 1. नवभारत टाइम्स उत्तर : 2. राजस्थान पत्रिका 3. हिन्दुस्तान

कन्नड= 1. प्रजावाणी 2. कन्नड प्रभा अंग्रेज़ी = 1. डेक्कन हेराल्ड 2. टाइम्स ऑफ इंडिया

XI .भाषा ज्ञान :

I. निर्देशानुसार वाक्यों का काल परिवर्तन करके लिखिए :

1. सब पर इंटरनेट-क्रांति का असर पड़ा है। (भविष्यत्काल में) सब पर इंटरनेट क्रांति का असर पड़ेगा।
2. रोहन विस्तृत जानकारी पाना चाहता था। (वर्तमानकाल में) रोहन विस्तृत जानकारी पाना चाह रहा है।
3. रोहन कंप्यूटर शिक्षक से प्रश्न पूछेगा। (भूतकाल में) रोहन ने कंप्यूटर शिक्षक से प्रश्न पूछा ।

II. काल पहचानकर लिखिए

1. इनसानी सोच का दायरा बढ़ रहा है। वर्तमान काल 2. पिताजी ने रोहन को समझाया । भूतकाल
3. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। वर्तमान काल
4. इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। वर्तमान काल 5. ई-गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बनेगा। भविष्यत काल

अपठित गद्यांश/पूरक वाचन

01.शनि : सबसे सुंदर ग्रह

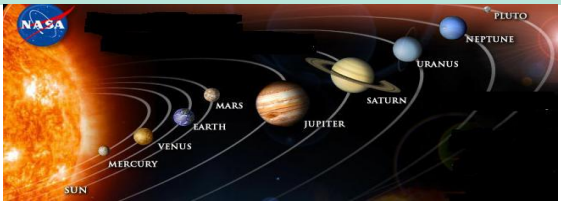

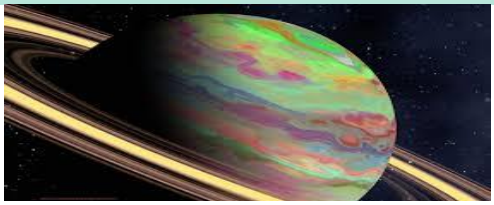

लेखक : गुणाकर मुले

प्रश्नोत्तर :

1.सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है?

उत्तर : सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है।

2.सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है?

उत्तर : शनि ग्रह सौर-मंडल का दूसरा बड़ा स्थान है।

3.पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है?

उत्तर: पृथ्वी और सूर्य में करीब 15 करोड़ किलोमीटर का फासला है।

4.शनि किसका पुत्र है ?

उत्तर : शनि ' सूर्य ' का पुत्र है ।

5.'शनै:चर' का अर्थ क्या है ?

उत्तर: शनै:चर का अर्थ है –'धीमी गति ' से चलनेवाला।

6.सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है?

उत्तर: सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब 30 वर्ष लगता है।

7.शनि एक राशि में कितने सालों तक रहता है ?

उत्तर: शनि एक राशि में करीब ढाई सालों तक रहता है।

8.बहुत कम सूर्य ताप किस ग्रह पर होता है?

उत्तर: बहुत कम सूर्य ताप शनि ग्रह पर होता है।

9.शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

उत्तर: बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

10.सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह कौन - सा है?

उत्तर : बृहस्पति का गनीमीड ' उपग्रह सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है।

11.शनि सौरमंडल का सबसे सुन्दर ग्रह है। कैसे ?

उत्तर: शनि के चारों ओर वलय (गोल) है। शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर-मंडल का सबसे सुन्दर एवं मनोहर ग्रह बनाया है । वस्तुतः शनि सौर-मंडल का सर्वाधिक सुन्दर ग्रह है।

12. शनि की स्थिति में कोई विशेष परिवर्तन दिखाई नहीं देता क्यों?

उत्तर : शनि करीब तीस वर्षों सूर्य का एक चक्कर लगाता है । इसलिए साल भर में आकाश में शनि की स्थिति में कोई विशेष परिवर्तन दिखाई नहीं देता ।

13. शनि के उपग्रहों के बारे में बताइए।

उत्तर : पहले शनि के 10 उपग्रह खोजे थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या 17 पर पहुँच गई है । शनि के और भी उपग्रह हो सकते है । शनि का सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन सौर-मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है।

पूरक वाचन सत्य की महिमा-2

1. सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसे होता है।

उत्तर : 'सत्य' बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा, जो कुछ आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए | बोल दिया - यही सत्य है । सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है , आत्मा की वाणी है।

2. झूठ का सहारा लेते है तो क्या-क्या सहना पड़ता है ?

उत्तर : झूठ बोलनेवाले अपने एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते है, और कहीं पोल खुली, तो मुँह काला करना पड़ता है, अपमानित होना पड़ता है।

3. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

उत्तर : "सत्यम ब्रूयात्, प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्" अर्थात् सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।"

4. संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है । सोदाहरण समझाइए।

उत्तर : संसार में जितने महान् व्यक्ति हुए , सबने सत्य का सहारा लिया है । राजा हरिश्चन्द्र की सत्य निष्ठा विश्वविख्यात है । उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है । राजा दशरथ ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गांधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

5. महात्मा गाँधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?

उत्तर: महात्मा गाँधि का कथन है कि, सत्य एक विशाल वृक्ष है । उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते है । उनका अंत नहीं होता । सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए।

6.झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?

उत्तर : कभी-कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर इससे अधिक हानी ही होती है । क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है । व्यक्तित्व कुंठित होता है । झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है । उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते है।

7. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

उत्तर : सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।

9.ईमानदारों के सम्मेलन में (हरिशंकर परसाई) { व्यंग्य रचना)

पाठ का आशय:

इस जगत् में अच्छाई-बुराई दोनों दिखाई देती हैं। हंस-क्षीर न्याय की तरह इनमें हमें सिर्फ अच्छाई को अपनाकर बुराई को छोड़ देना चाहिए। बेईमानी भी एक अवगुण है। बेईमानों पर व्यंग्य करते हुए प्रस्तुत रचना द्वारा लेखक ने सचेत किया है कि हम बेईमानी से दूर रहें ।

लेखक परिचय :

बेजोड़ निधि : कलम को लेखक की तलवार माननेवाले श्री हरिशंकर परसाई हिन्दी साहित्य जगत की एक बेजोड़ निधि हैं। **जन्म** : मध्यप्रदेश के जमानी गाँव में 22 अगस्त 1924 को हुआ था। **प्रमुख रचनाएँ** - हँसते हैं रोते हैं,

भूत के पाँव पीछे, सदाचार का तावीज़, वैष्णव का फिसलन आदि। योगदान : हिन्दी के व्यंग्य साहित्य के विकास में इनका योगदान अद्‌वितीय है।

शब्दार्थ :

पर्दाफाश-अनावरण, ಪ್ರಕಟಪಡಿಸು, ಅನಾವರಣಗೊಳಿಸು.कतई-हरगिज़, कभी भी; ಯಾವಾಗಲೂ ,ಖಂಡಿತವಾಗಿ.हलफिया-कसम से, ಪ್ರಮಾಣ. तकलीफ-कष्ट, ಕಷ್ಟ. शानदार-वैभवयुत, ವೈಭವದಿಂದ. डेलीगेट-Delegate, प्रतिनिधि; ಪ್ರತಿನಿಧಿ, ಅತಿಥಿ. जलसा-समारोह, उत्सव; ಉತ್ಸವ, ಸಮಾರೋಹ. हिचक-संकोच, ಸಂಕೋಚ.गनीमत-खुशी की बात, ಸಂತೋಷದ ಮಾತು. चश्मा-ऐनक, ಕನ್ನಡಕ. कागज़ात - कागज-पत्र, ಕಾಗದ – ಪತ್ರ. हल्ला-शोर, ಗಲಾಟೆ.इतमीनान-भरोसा, विश्वास ; ಭರವಸೆ, ವಿಶ್ವಾಸ.हरारत-हल्का ज्वर; ಸಣ್ಣ ಜ್ವರ. हरगिज़-बिल्कुल, किसी दशा में भी; ಖಂಡಿತವಾಗಿ, ಯಾವುದೇ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿಯೂ. सिरहाना-तकिया। ತಲೆದಿಂಬು.

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन है?

उत्तर : प्रस्तुत कहानी के लेखक - हरिशंकर परसाईजी है।

2. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?

उत्तर :लेखक दूसरे दर्जे में सफर करना चाहते थे क्योंकि, इससे उनको '150' रूपय बचता था।

3. लेखक की चप्पलें किसने पहनी थी ?

उत्तर :लेखक की चप्पलें -' एक ईमानदार डेलिगेट ' ने पहनी थी।

4. स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?

उत्तर :स्वागत समिति के मंत्री ' कार्यकर्ताओं ' को डाँटने लगे।

5. लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये ?

उत्तर :लेखक पहनने के कपड़े ' सिरहाने ' दबाकर सोये ।

6. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक भाग लेने से ईमानदार और उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

7. लेखक को कहाँ ठहराया गया ?

उत्तर :लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।

8. ब्रीफकेस में क्या था ?

उत्तर :ब्रीफकेस में ' कागज़ात ' था।

9. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था ?

उत्तर :लेखक ने धूप का चश्मा 'टेबुल ' पर रखा था।

10.तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था ?

उत्तर :तीसरे दिन लेखक के कमरे से 'कंबल' गायब हो गया था।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?

उत्तर :लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में लिखा गया था कि, "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे है । आप देश के प्रसिद्‌ध ईमानदार है । हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्‌घाटन करें । हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदरों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

2. फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उत्तर :लेखक जब स्टेशन पहुंचे तब उनका खूब स्वागत हुआ । लगभग दस बड़ी फूल मालाएँ उनको पहनायी गयी । तब लेखक ने सोचा कि आसपास कोई माली होता तो ये फूल मालाएं बेच लेता।

3. लेखक ने मंत्री को क्या समझाया ?

उत्तर :स्वगत समिति के मंत्री पुलीस को बुलाने के लिए कहे तो लेखक ने मंत्री को समझाया कि ' ऐसे हरगिज मत करिये । ईमानदारों के सम्मेलन में पुलीस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।'

4. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया ?

उत्तर :चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने सुझाव दिया कि, " देखिए चप्पलें एक जगह नही उतारनी चाहिए । एक चप्पल यहाँ उतारिए तो दूसरी दस फूट की दूरी पर । तब चप्पले चोरी नही होती । एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा । मैंने ऐसा ही किया था।

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक के सभी सामान चोरी हो गया था। ताला तक चुरा लिया गया था। अब वे बचे थे । अगर वे वही रुके तो उन्हीं को चुरा लिया जा सकता था । यह सोचकर लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

6.मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?

उत्तर :रेलवे स्टेशन पर जब उनको फूल मालाएँ पहनाई गयी, उन फूलों को बेचने के लिए माली को ढूंढते है । कार्यक्रम के आयोजन कर्ता लेखक को पहले दर्जे का किराया दे तो, वे दूसरी दर्जे में सफर करके डेढ सौ (150) रुपय बचा लेते है। इन सब घटनाओं में मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है।

॥ चार-पांच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

उत्तर : लेखक होटल के कमरे में ठहरे थे। दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए अपना धूप का चश्मा ढूंढने लगे पर वह गायब हो गया था । इस कारण लेखक ने बिना धूप का चश्मा लगाये बैठक में पहुँचे । चाय के विराम के समय में एक सज्जन आये और कहने लगे कि बड़ी चोरियां हो रही है । देखिए, आपका धूप का चश्मा ही चला गया। वह धूप का चश्मा लगाये थे । लेखक को याद था कि एक दिन पहले वह धूप का चश्मा नहीं लगाये थे। जो चश्मा वे पहने थे वह लेखक का ही था।

2. मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ ?

उत्तर :कार्यक्रम में जब चोरियाँ होने लगी तब मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटते हुए कहते है कि "तुम लोग क्या करते हो ? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ पर है । तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है। यह इमानदारों का सम्मेलन है । बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी।' तब कार्यकर्ताओं ने कहा कि, ' हम क्या करें अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ-वहाँ जाए तो हम उन्हें रोक सकते है ?"

3. सम्मेलन में लेखक के कौन - से अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर :लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन में चप्पलें चोरी हो गयी थी , दूसरे ईमानदार डेलिगेट उनके चप्पलें पहनकर उनको ही सुझाव देने लगे थे । उनके कमरे में कंबल और चादर चोरी हो गया था । लेखक का धूप का चश्मा भी चोरी हो गया था । एक सज्जन उनके चश्मा पहनकर उनको ही समझाने लगे थे । अंत में हम यह कह सकते है कि, सम्मेलन में लेखक का अनुभव बहुत बुरा था।

IV. अनुरूपता:

1. पहला दिन : चप्पलें गायब थीं :: दूसरे दिन : धूप का चश्मा
2. तीसरे दिन : कम्बल गायब था :: चौथे दिन : ताला
3. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल : दो पहियों का वाहन
4. रेलगाड़ी : पटरी :: हवाईजहाज : आसमान

v. रिक्त स्थान भरिए :

1. हम लोग इस शहर में एक ईमानदारों के सम्मेलन कर रहे हैं।
2. मेरी चप्पलें गायब थीं।
3. वह मेरा चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।
4. फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

VI विलोम शब्द लिखिए।

1. आगमन X निर्गमन, 2. रात X दिन, 3. जवाब X सवाल, 4. बेचना X खरीदना, 5. सज्जन X दुर्जन,

VII बुहु वचन रूप लिखिए।

1. कपड़ा - कपड़े, 2. चादर - चादरें, 3. बात - बातें, 4. डिब्बा - डिब्बे,5. चीज़ - चीज़े:

VIII. प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए:

1. ठहरना ठहराना ठहवाना
2. धोना धुलाना धुलवाना
3. देखना दिखाना दिखवाना
4. लौटना लौटाना लौटवाना
5. उतरना उत्तराना उतरवाना
6. पहनना पहनाना पहनवाना

3. संधि-विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए :

1. स्वागत = सु + आगत = यणसंधि
2. सहानुभूति = सहानु + भूति = दीर्घ संधि
3. सज्जन = सत् + जन = व्यंजन संधि
4. परोपकार = पर + उपकार = गुण संधि
5. निश्चित = निः + चिंत = विसर्गसंधि
6. सदैव = सदा + एव = वृद्दी संधि

x. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे।
ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು ಹೋಗಲು ಮೊದಲ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆ ಹಣವನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

2. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ । ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿಯ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತು.

3. देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.

4. अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा । ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದಾನೆ. ಅಕಸ್ಮಾತ್ ಇಲ್ಲೇ ಉಳಿದುಕೊಂಡರೆ ನಾನೇ ಕಳ್ಳತನವಾಗಿ ಬಿಡುತ್ತೇನೆ.

XI. ईमान गुण के सामने सही चिह्न (✓) और बेईमान गुण चिह्न (✗) लगाइए:

1. दूसरे लोगों की वस्तुओं को वापिस पहुँचाना । {✓}
2. चोरी करना । {✗}
3.रास्ते में मिली वस्तुओं को पुलिस स्टेशन पहुँचाना I{ ✓ }
4. कामचोरी करना । {✗}
5. बगल में छुरी मुँह में राम-राम करना ।{✗}
6. झूठ बोलना । {✗}
7. नेक मार्ग पर चलना । {✓}
8. जानबूझकर गलती करना ।{✗}
9. बहाना बनाना । {✗}
10. सच बोलना । {✓}
11. समय पर काम पूरा करना ।{✓}
12. धोखा देना । {✗}
13. जालसाज़ी करना ।{✗}
14. चोर बाज़ारी और मिलावट करना ।{✗}
15. निष्ठा से कार्य करना । {✓}
16. भ्रष्टाचार में शामिल होना ।{✗}
17. सेवाभाव से दूसरों की सहायता करना ।{✓}
18. देश के प्रति सच्चा अभिमान रखना । {✓}
19. सच्चे भाव से बड़ों का आदर करना । {✓}

भाषा ज्ञान

1. दिए गए निर्देशानुसार वाक्य बदलिए :

1. मेरे पास चप्पल नहीं थी। (वर्तमानकाल में) उत्तर : मेरे पास चप्पल नहीं हैं।
2. एक बिस्तर की चादर गायब है। (भूतकाल में) उत्तर : एक बिस्तर की चादर गायब था।
3. उसमें पैसे तो नहीं थे। (भविष्यत्काल में) उत्तर : उसमें पैसे तो नहीं होगा।
4. कोई उठा ले गया होगा। (वर्तमानकाल में) उत्तर : कोई उठा ले गए हैं।
5. वह धूप का चश्मा लगाये थे। (भविष्यत्काल में) उत्तर : वह धूप का चश्मा लगायेंगे I
6. सुबह मुझे लौटना था। (भविष्यत्काल में) उत्तर : सुबह मुझे लौटना होगा।

II. निम्नलिखित वाक्यों के आगे काल पहचानकर लिखिए :

1. मैंने सामान बांधा। भूत काल
2. बड़ी चोरियां हो रही हैं। वर्तमान काल

3. पहले दर्जे का किराया लूंगा। भविष्यत काल

4. डेलीगेट दोपहर को ही वापस चले गये। भूत काल

5. मेरी चप्पलें देख रहे थे। भूत काल

II इन कहावतों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

जैसे - जहाँ चाह वहाँ राह

अर्थ - इच्छा होने पर उसे पाने का मार्ग स्वयं मिल जाता है।

वाक्य - यदि मनुष्य चाहे तो कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा कर सकता है, क्योंकि जहाँ चाह वहाँ राह ।

1. गुरु गुड़ ही रहे, चेले शक्कर हो गये।

अर्थ - छात्र गुरु से भी आगे बढ जाता है।

वाक्य - अब्दुल कलाम की चतुराई से सब मालूम हो गया कि, गुरु गुड़ ही रहे, चेले शक्कर हो गये। .

2. जैसा देश, वैसा भेस।

अर्थ - देश के लोग जैसे रहते है, उसी प्रकार उनका वेश भूषा होती है।

वाक्य - हमारी संस्कृति देखकर विदेशी लोग कहते है कि, जैसा देश, वैसा भेस।

3. निर्बल के बल राम ।

अर्थ - जो निर्बल होते है, उनके लिए भगवान ही बल देता है।

वाक्य - गरीब लोग कहते है कि, निर्बल के बल राम ही है।

4. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

अर्थ - मूर्ख व्यक्ति को किसी वस्तु की मूल्य, मालूम नही होता।

वाक्य - सज्जन लोगों के बारे में कोई कुछ कह दे तो हम समझ लेना चाहिए कि, बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

5. हाथी के दाँत खाने के और, दिखाने के और ।

अर्थ - कुछ लोग बोलते अलग है, लेकिन काम अलग करते है।

वाक्य - मुखिया का काम ऐसे होती है कि, हाथी के दाँत दिखाने के और, दिखाने के और।

11. समय की पहचान (कविता) सियारामशरण गुप्त

पाठ का आशय: समय बहुत अनमोल है ।उसका महत्व धन से भी ज्यादा है। 'समय' अधिक महत्वपूर्ण तथा उपयोगी होता है। समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा, वह अपने काम में सफल होगा। इस कविता में यह संदेश दिया गया है कि हमें काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए।

कवि परिचयः

सियारामशरण गुप्त : जन्म : 4 सितंबर 1895 को हुआ था।

स्थल : मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगाँव में हुआ था।

पिता : सेठ रामचरण कनकने । माता : कौशल्या बाई था।

अनुज : ये हिंदी के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के अनुज थे।

शिक्षा : प्रारंभिक शिक्षा के बाद घर पर ही उन्होंने गुजराती, अंग्रेज़ी तथा उर्दू भाषा सीखी।

प्रमुख रचनाएँ - मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग, मृण्मयी, बापू, नकुल आदि।

सेवा : दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए उन्हें नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी द्वारा 'सुधाकर पदक' प्रदान किया गया।1929 में महत्मा गांधीजी के संपर्क में आकर वर्धा में रहे।

निधन : लंबे समय की बीमारी के कारण 29 मार्च 1963 में इनका निधन हुआ।

शब्दार्थ :

उद्योगी - परिश्रमी, मेहनती; ಉದ್ಯೋಗಿ, ಪರಿಶ್ರಮಿ. सौख्य - सुख , ಸೌಖ್ಯ, ಸುಖ. आलस - आलस्य, कामचोरी: ಆಲಸ್ಯ.

बहाना - बात टालना, नाम मात्र का कारण ; ನೆಪ ಹೇಳುವುದು. द्रव्य - धन, पदार्थ, सामग्री ದ್ರವ್ಯ ,ಪದಾರ್ಥ, ಸಾಮಗ್ರಿ.

अनुपम - अनोखा, बेजोड़, उपमाविहीन ; ಶ್ರೇಷ್ಠ, ಅನುಪಮ, ಅತ್ಯಮೂಲ್ಯ. तुच्छ - छोटा, क्षुद्र, निस्सार, अल्प; ಅಲ್ಪ ,ಸಣ್ಣ.

पल - क्षण, ಕ್ಷಣ. चित्त - मन, ध्यान, अंतःकरण ; ಮನಸ್ಸು, ಅಂತಃಕರಣ, ಧ್ಯಾನ. विश्वास - भरोसा, यकीन ; ವಿಶ್ವಾಸ ,ಬರವಸೆ.

सुसमय - अच्छा समय, उत्तम अवसर; ಒಳ್ಳೆಯ ಸಮಯ. खोना - गंवाना, ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳು. सर्वथा - सदा, हमेशा। ಯಾವಾಗಲೂ.

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1.कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नही मिलता ?

उत्तर : कवि के अनुसार मनुष्य को समय को नष्ट करने से सुख नही मिलता है।

2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर :बहाने बनाने का प्रमुख कारण ' आलस' है।

3. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर : समय भगवान / ईश का दिया हुआ अनुपम धन है।

4. कवि किस पर विश्वास करने को कहते है ?

उत्तर : कवि अपनी 'आत्मा ' पर विश्वास करने को कहते है।

5. समय के खोने से क्या होता है ?

उत्तर : समय के खोने से व्यक्ति को पछताना पड़ता है।

II दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?

उत्तर : मनुष्य को समय नष्ट ना करने से, आलस और बहाना बनाना छोड़कर मेहनत से काम करने से सुख की प्राप्ति होति है।

2. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उत्तर: समय बहुत अनमोल है ।उसका महत्व धन से भी ज्यादा है । आलस्य को त्यागकर काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने न देने से और समय को सच्चा साथी बना लेने से समय का सदुपयोग कर सकते है।

3. कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते है ?

उत्तर: कवि सियारामशरण गुप्तजी कहते है कि, जो काम करते है उसे मन लगाकर करो, दिल में विश्वास रखो, संदेह को दूर करो । ऐसा अच्छा समय कब तुम्हे मिलता है । अब का समय खोकर आगे बहुत पछताओगे ।

III निम्न लिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(सर्वथा, चक्रवर्ती, करो अभी, शुभ)

1. जो करना है, करो अभी कल हो क्या जाने?
2. चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी होके।
3. यही समय ही अहो तुम्हारा शुभ जीवन है।
4. खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे।

IV. अनुरूपता :

1. आलस : परिश्रम :: नष्ट : लाभ
2. जानो : मानो :: लगा दो : भगा दो
3. धन : निर्धन :: दिया : लिया
4. जीवन : मरण :: खोना : पाना

V.जोडकर लिखिए।

1. उद्योगी - सुसमय।
2. आलस - बहाना।
3. जीवन - पल-पल ।
4.समय - अनुपम धन।
5. द्रव्य - समता।

VI. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए।

उदा - जाता - पाता

1. बहाने - जाने 3. धन - जीवन 5. जानो - मानो
2. समता - चिंता 4. लगा दो - भगा दो 6. पाओगे - पछताओगे

VII. नीचे दिये गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए।

1.चकरवरती – चक्रवर्ती 2. चींता – चिंता 3. नश्ट. – नष्ट 4. अलस – आलस 5. सरवथा – सर्वथा 6.सयम - संयम

VIII उदाहरण के अनुसार शब्द लिखिए।

उदा: समय - सुसमय

1. पुत्र – सुपुत्र 2. फल – सुफल 3. मन – सुमन 4. योग्य - सुयोग्य 5. यश – सुयश 6. नाद – सुनाद 7. मति - सुमती।

IX. समय के महत्व से संबंधित निम्नलिखित दोहा और कविताओं को पढ़िए और लिखिए। कक्षा में चर्चा कीजिए :

1. काल करै सो आज कर, आज करै सो अब,
पल में परलय होवेगा, बहुरि करेगा कब।

2. उठ जाग मुसाकिर भोर भई,
अब रैन कहाँ जो सोवत है।
जो सोवत है सो खोवत है,
जो जागत है सो पावत है।

3. जो आज करना सो अब कर ले।

4. जब चिड़िया चुग गयि खेत,
तब पछताये क्या होता है।

X अपने अध्यापक की सहायता से इसे पूर्ण कीजिए।

1. एक पहर = 3 घंटे 3. एक सप्ताह= 7 दिन 5. एक मास = 30 दिन
2. एक दिन = 24 घंटे 4. एक पक्ष =15 दिन 6. एक साल = 365 दिन

XI. तालिका में महीनों का नाम लिखिए और 30 दिन आनेवाले महीनों में हरा रंग, 31 आनेवाले महीनों में पीला रंग, 28/29 आनेवाले महीने में लाल रंग भरिए।

28/29 दिन आनेवाले महीने	30 दिन आनेवाले महीने	31 दिन आनेवाले महीने
फरवरी	अप्रिल, जून, सितंबर, नवंबर	जनवरी, मार्च, मई, जुलाई,
		अगस्थ, अक्तूबर, दिसंबर

ಸಮಯದ ಮಹತ್ವ ಪದ್ಯದ ಸಾರಾಂಶ.

ಕವಿ: ಸಿಯಾರಾಮಶರಣ ಗುಪ್ತ ಸಮಯ ಅಮೂಲ್ಯವಾದದ್ದು ಮತ್ತು ಉಪಯುಕ್ತವಾದದ್ದು ಎಂಬ ಸಂದೇಶವನ್ನು ಕವಿ ಸಾರಿದ್ದಾರೆ. ಯಶಸ್ಸು ಪಡೆಯಲು ಸಮಯದ ಸದುಪಯೋಗ ಮಾಡಬೇಕು. ಸುಸಂದರ್ಭ ದೊರಕಿದಾಗ ಅದನ್ನು ಕೈಬಿಡಬಾರದು.

ಈ ಕಾರ್ಯಶೀಲರಾದವರಿಗೆ ಎಲ್ಲ ಸಮಯವೂ ಸುಸಮಯ. ಸುಸಮಯವನ್ನು ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಯಾರೂ ಸುಖವಾಗಿರಲಾರರು ಆಲಸ್ಯ ಸಮಯದ ಸದುಪಯೋಗ ಆಗಲು ಬಿಡದು. ನಾಳೆ ಮಾಡುವುದನ್ನು ಇಂದೇ ಮಾಡು,ನಾಳೆ ಏನಾಗುವುದೋ ಯಾರಿಗೂ ತಿಳಿಯದು. ಚಕ್ರವರ್ತಿ ಸಹಾ ಕಳೆದು ಹೋದ ಸಮಯವನ್ನು ಹಿಂತಿರುಗಿಸಲಾರನು. ಸಮಯ ಸಂಪತ್ತಿಗಿಂತ ಅತ್ಯಮೂಲ್ಯ.. ಆದರೆ ಯಾರೂ ಇದನ್ನು ಅರಿಯರು.

ಸಮಯ ಮಾನವನ ಸುಖ ಜೀವನಕ್ಕೆ ದೇವರ ಕೊಡುಗೆ. ಒಂದು ಕ್ಷಣವನ್ನು ಕೂಡ ವ್ಯರ್ಥ ಎನ್ನಬೇಡ ಕ್ಷಣಕ್ಷಣಗಳಿಂದಲೇ ಜೀವನ. ನಿನ್ನ ಕರ್ತವ್ಯವನ್ನು ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಮಾಡು, ಅದರಲ್ಲಿ ಸಂದೇಹ ಬೇಡ. ಸಮಯವನ್ನು ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡಿದರೆ ಸುಸಮಯ ಎಂದು ದೊರಕೀತು? ವ್ಯರ್ಥವಾದ ಸಮಯಕ್ಕಾಗಿ ಎಂದೆಂದೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪ ಪಡಬೇಕಾದೀತು.

13.महिला की साहस गाथा

पाठ का आशय:

इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं।और महिला भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं है इस विचार को छात्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ

हिमालय की ऊंची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।'

शब्दार्थ :

चोटी - शिखर, ಶಿಖರ, ಪರ್ವತ. जज्बा - हौसला, ಧೈರ್ಯ. दौरान - उस समय, ಆ ಸಮಯ, झंडा - पताका, ध्वज; ಧ್ವಜ.तंबू - शामियाना,ಟೆಂಟ , ಶಿಬಿರ. आरोहण - चढ़ना, ಹತ್ತುವುದು. कर्मठता - काम करने की शक्ति का भाव, ಕೆಲಸ ಮಾಡುವ ಶಕ್ತಿಯ ಭಾವ. बगैर - बिना, ಇಲ್ಲದೆ. फावड़ा - खुदाई का साधन, ಚಲಿಕೆ. इस्तेमाल – उपयोग, ಉಪಯೋಗ. नज़दीक – पास, ಹತ್ತಿರ. रज्जु - रस्सी। ಹಗ್ಗ.

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. विछेन्द्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

उत्तर: बिछेन्द्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

2. बिछेन्द्री के माता-पिता कौन थे ?

उत्तर: बिछेन्द्री के माता का नाम ' हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह ' था ।

3. बिछेन्द्री ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर: बिछेन्द्री ने निश्चय किया कि उनके भाई के तरह पर्वतारोहण करेंगी।'

4. बिछेन्द्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की ?

उत्तर: बिछेन्द्री ने 'गंगोत्री ग्लेशियर ' पर चढ़ाई की।

5. सन् 1983 में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर: सन् 1983 में दिल्ली में 'हिमालय पर्वतारोहियों ' का सम्मेलन हुआ था।

6. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे?

उत्तर: एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही 'अंग दोरजी ' थे।

7. कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर: कर्नल का नाम "खुल्लर ' था।

8. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

उत्तर: ल्हाटू ' नायलॉन ' की रस्सी लाया था ।

9. बिछेन्द्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

उत्तर: बिछेन्द्री ने थैले से 'हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ ' का चित्र निकाला।

10. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से क्या कहा ?

उत्तर: कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से कहा कि 'देश को तुम पर गर्व है।'

11. मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर: मेजर का नाम 'कुमार' था।

12. बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर: बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित 'स्वर्ण पदक ' देकर सम्मान किया।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. बिछेन्द्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।

उत्तर: बिछेन्द्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। उनके माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था । वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी । बिछेन्द्रि के बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था । इसी जज़्बे से विछेन्द्री पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया ।

2. बिछेन्द्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर: बिछेन्द्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता । बचपन में बिछेन्द्री रोज़ 5 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी। इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की।

3. बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए किन - किन चीज़ों का उपयोग किया ?

उत्तर: बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए 'नायलॉन की रस्सी, ऑक्सीजन और फावड़े का उपयोग किया था।

4. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने क्या किया ?

उत्तर: एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्ट्री ने फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया। इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी । बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंनेसागरमाथे के ताज का चुंबन किया । बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी - सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया।

॥ चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

उत्तर: बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए अनेक पहाडों पर चढ़कर अपने लक्ष्य को ताज़ी रखी । बिछेन्द्री ने एवरेस्ट चढ़ने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी।

2. दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेन्द्री के अनुभव के बारे में लिखिए।

उत्तर: दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेन्द्री एक नायलॉन की रस्सी के सहारे शिखर पर चढ़े और आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी । रेगुलेटर पर जैसे ही ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई तो उनका कठिन चढ़ाई आसान लगने लगी।

3. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर: प्रस्तुत पाठ से यह संदेश मिलता है कि - साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते है। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते है । इस पाठ से जान सकते है कि मेहनत का फल अच्छा होता है।'

IV जोडकर लिखिए।

1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई सन् 1982 2. पर्वतारोहियों का सम्मेलन सन् 1983
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना सन् 1984

v अनुरूप शब्द लिखिए।

1. पहाड़ : गिरि :: चोटी : शिखर 2. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : ग्लेशियर
3. कर्नल : खुल्लर :: मेजर : कुमार 4. चाय : गरम :: बर्फ : ठण्डी
5. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे :: पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला : जुके ताबी

VI स्त्रीलिंग शब्द लिखिए।

पुल्लिंग - स्त्रीलिंग

1. बाप – माँ 2. पुरुष - स्त्री / महिला 3. भाई – बहन 4.बेटा – बेटी 5. श्रीमान - श्रीमती

VII. उदाहरण के अनुसार लिखिए।

1. पढ़ + आई = पढ़ाई 3. कठिन + आई = कठिनाई 5. बढ़ + आई = बढ़ाई
2. चढ़ + आई = चढ़ाई 4. उँचा + आई = ऊंचाई

VIII अन्य वचन लिखिए।

1. चट्टान - चट्टानें 3. शीशा - शीशे 5. चादर - चादरे
2. रस्सी - रस्सियाँ 4. चोटी - चोटियाँ

IX. विलोम शब्द लिखिए।

1.आरोहण X अवरोहण 2.चढ़ना X उतरना 3. ठंडा X गरम

4. परिश्रम X आलस 5. सामने X पीछे

X. समानार्थक शब्द लिखिए।

उदा : पहाड़ = गिरि, पर्वत

1. चोटी = शिखर, शिखा
2. सुबह = सवेरा, प्रातः
3. महिला = स्त्री, औरत
4. नज़दीक = निकट, पास

XI. निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा श्ब्दों को अलग - अलग कीजिए।

शब्द	संज्ञा	विशेषण
उदा : ऊँचा पर्वत	पर्वत	ऊंचा
1. मधुर स्वर	स्वर	मधुर
2. कर्कश आवाज़	आवाज़	कर्कश
3. बड़ा साधु	साधु	बड़ा
4. ठंडी हवा	हवा	ठंडी
5. नायलॉन रस्सी	रस्सी	नायलॉन

XII. अनेक शब्द के लिए एक शब्द दिये गये हैं, ढूंढकर लिखिए :

उदा : जो पढ़ा लिखा न हो - अनपढ़

1. जहाँ पहुँचा न जा सके - दुर्गम
2. मास में एक बार आनेवाला - मासिक
3. जो कभी न मरे - अमर
4. अच्छे चरित्रवाला - सच्चरित्र
5. जो आँखों के सामने हो - प्रत्यक्ष
6. जो स्थिर रहे - स्थाई
7. जिसे क्षमा न किया जा सके - अक्षम्य
8. जो वन में घूमता हो - वनचर
9. जिसका संबंध पश्चिम से हो - पश्चात्य
10. जो उपकार मानता हो कृतज्ञ – कृतज्ञ

मासिक
सच्चरित्र
अक्षम्य
अमर
बनचर
पाश्चात्य
प्रत्यक्ष
स्थाई
दुर्गम
कृतज्ञ

XII. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. बिछेद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು.
2. बिछेद्री को रोज़ पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತೀ ದಿನ ನಡೆದುಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
3. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी। ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
4. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है। ಯಶಸ್ಸು ಬಹಳ ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತ್ತು.
5. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी। ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಮಹಿಳೆ ಆಗಿದ್ದೆ.

14. सूर - श्याम (पद) (सूरदास)

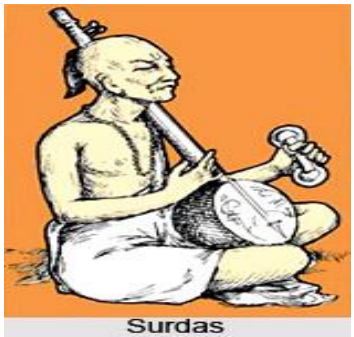

पद का आशय : बच्चे स्वभाव से भोले होते हैं। वे हमेशा अपने माता - पिता से अपने भाई ,बहन और मित्रों की कुछ - न - कुछ शिकायत करते रहते हैं । उनका बाल सहज स्वभाव देखकर बड़ों को हँसी आती है और उन्हें पुचकारकर

मांत्वना देते हैं। माँ और बेटे के ऐसे सहज संबंध की कल्पना कर सूरदास जी ने अपने इस पद में उसका मार्मिक चित्रण किया है।

शब्दार्थ :

मैया - माँ, ತಾಯಿ, ಅಮ್ಮ. **मोहिं** - मुझे, ನನಗೆ. **दाऊ** - भैय्या(बलराम),ಅಣ್ಣ. **खिझाना** - चिढ़ाना, ಸತಾಯಿಸು. **मोसों** - मुझसे,ನನಗೆ. **मोल** - मूल्य,दाम; ಬೆಲೆ. **तोहि** - तुझे, ನಿನಗೆ. **जसुमति** - जसोदा यशोदा; ಯಶೋಧ. **जायो** - जन्म दिया ಜನ್ಮ ನೀಡಿದ. **रिस** - क्रोध, ಕ್ರೋಧ. **के मारे** - के कारण, ಆದಕಾರಣ. **तुमरो** - तुम्हारे, ನಿನ್ನ. **तात** - पिता, ತಂದೆ. **कत**- क्यों, ಏಕೆ. **स्याम** - काला, ಕಪ್ಪು ಬಣ್ಣ. **ग्वाल** - गोपालक ಗೊಲ್ಲ, ಗೋಪಾಲಕ. **सिखै** - सिखाना, ಕಲಿಸುವುದು. **बलभद्र** - बलबीर, बलराम; ಬಲರಾಮ.**रीझै** - मोहित होना, ಮೋಹಿತನಾಗು. **सुनहु** -सुनो, ಕೇಳು.**कान्ह** - कृष्ण, ಕೃಷ್ಣ .**चबाई** - पीठ पीछे बुराई करनेवाला, चुगलखोर; ಕೆಟ್ಟದ್ದು ಮಾಡುವವ, ಚಾಡಿ ಹೇಳುವವ. **जनमत ही को** - जन्म से ही, ಜನ್ಮದಿಂದ. **धूत** -दुष्ट, ದುಷ್ಟ. **लखि** - देखकर, ನೋಡಿ. **सौं** - कसम, सौगंध; ಪ್ರಮಾಣ. **हौं** - मैं, ನಾನು. **पूत**-पुत्र। ಪುತ್ರ, ಮಗ

कवि परिचय :

सूरदास (सन् 1540-1642)

सूर्य : भक्त कवि सूरदास हिंदी साहित्याकाश के सूर्य माने जाते हैं। **शाखा :** इन्हें भक्तिकाल की सगुण भक्तिधारा की कृष्णभक्ति-शाखा के प्रवर्तक माना जाता है। **जन्म :** उत्तर प्रदेश के रुनकता गाँव सन् 1540 को हुआ था। **प्रमुख रचनाएँ :** 'सूर सागर', 'सूर सारावली' एवं 'साहित्यलहरी' । इनके काव्यों में वात्सल्य, श्रृंगार तथा भक्ति का त्रिवेणी संगम हुआ है। **मृत्यु :** सन् 1642 को हुई।

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. सूर-श्याम पद के रचयिता कौन है ? उत्तर : सूर-श्याम पद के रचयिता "सूरदासजी " है।
2. कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ? उत्तर : कृष्ण की शिकायत " बलराम के प्रति " है।
3. यशोदा और नंद का रंग कैसा था ? उत्तर : यशोदा और नंद का रंग " गोरा " था।
4. चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे ? उत्तर : चुटकी दे-देकर हँसनेवाले. " ग्वाल " दोस्त थे।
5. यशोदा किसकी कसम खाती है ? उत्तर : यशोदा " गोधन" की कसम खाती है।
6. बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ? उत्तर : बालकृष्ण " यशोदा " से शिकायत करता है ।
7. बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ? उत्तर : बलराम के अनुसार " कृष्ण " को मोल लिया गया है ।
8. बालकृष्ण का रंग कैसा था ? उत्तर :बालकृष्ण का रंग "काला" है।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?

उत्तर :बलराम कृष्ण को चिढ़ाता रहता है कि, तुम काला हो और यशोदा तुम्हे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल कर लिया है । क्योंकि यशोदा और नंद गोरे है, तू काला है । इस कारण सभी दोस्त चुटकी दे-देकर हँसते है। इस कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता था।

2. बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है ?

उत्तर :बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में कहता है कि, तुम्हारी माता यशोदा नही है क्योंकि यशोदा और नंद तो गोरे है , तुम काले हो । तुम्हे यशोदा जन्म नही दिया है बल्कि मोल लिया है।

3. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है ?

उत्तर : कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति नाराज़ है क्योंकि,यशोदा हमेशा कृष्ण को ही मारती है, और भाई बलराम पर कभी गुस्सा नहीं करती और मारती भी नहीं।

4. बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायत करता है ?

उत्तर :बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि,बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है। मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है और सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे देकर चिढ़ाता है।

5. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?

उत्तर : यशोदा कृष्ण को सांत्वना करती हुई कहती है कि,बलराम जन्म से ही चुगलखोर है और मैं गोधन कसम खाकर कहती हूँ कि तू मेरा बेटा है और मैं ही तेरी माँ हूँ।

॥ चार- छः वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :सूरदास अपने पद में बालकृष्ण की बचपन के बारे में कहते हुए कहते है कि, कृष्ण अपनी माता के पास जाकर अपने भाई बलराम के प्रति शिकायत करता है कि, बलराम के साथ मै खेलने नहीं जाता क्योंकि, बलराम सब ग्वाल दोस्तों के साथ मिलकर तू नंद और यशोदा के पुत्र नही हो तुम्हे मोल लिया गया है। क्योंकि नंद और यशोदा दोनो गोरे है तू काला है, ऐसा चिढ़ाता है। सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे-देकर मुझे चिढ़ाते है। मै उसके साथ खेलने नही जाता।

तू कभी भी मुझे ही मारती है और डांटती है । लेकिन भाई बलराम को कभी मारती नही और डांटती भी। नही है । तब यशोदा अपने पुत्र के बात और गुस्से से खुश होकर कहती है कि, हे कृष्ण मै गोधन की कसम खाकर कहती हूँ कि, तू मेरा पुत्र है और मै ही तेरी माँ हूँ। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । उसके बातों पर तुम ध्यान मत दो ऐसा कहकर कृष्ण के क्रोध को कम करती है।

IV. पद्य भाग पूर्ण कीजिए:

1.गोरे नंद जसोदा गोरी, तुम कत स्याम सरीर ।
चुटकी दै दै हँसत ग्वाल, सब सिखै देत बलबीर ॥

2. सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही को धूत ।
'सूर' स्याम मोहिं गोधन की सौं, हौं माता तू पूत।।

V अनुरूपता :

1. बलभद्र : बलराम : : कान्हा : कृष्ण
2. जसोदा : माता : : नंद : पिता
3. रीझना : मोहित होना : : खजाना : चिढ़ाना
4. बलबीर : बलराम : : जसोदा : यशोदा

VI जोड़कर लिखिए।

1. सूरदास का जन्म — सन 1540 को हुआ।
2. सगुण भक्ति धारा की — कृष्ण भक्ति शाखा।
3. उत्तर प्रदेश का रुनकता — सूर का जन्मस्थान।
4. सूरदासजी की मृत्यु — 1642 को हुई।

VII सही शब्द चुनकर लिखिए।

1. जसोदा = गोरी
2. कृष्ण = श्याम
3. ग्वाल मित्र = चुटकी
4. बलराम = चुगलगोर
5. कृष्ण की = बाल-लीला

VIII आधुनिक रूप लिखिए।

जैसे = मैया - माता

1. मोहिं - मुझे
2. मोसों - मुझसे
3. रिस - क्रोध
4. सरीर - शरीर
5. सिखै - सिखाना
6. जसुमति - यशोधा
7. धूत - दुष्ट
8. कान्हा - कृष्ण
9. पूत - पुत्र
10. जनमत - जन्म से

ಸೂರ-ಶ್ಯಾಮ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ :

ಈ ಪದ್ಯದಲ್ಲಿ ಕವಿ ಸೂರದಾಸರು ಕೃಷ್ಣನ ಬಾಲಲೀಲೆಯ ವರ್ಣನೆಯನ್ನು ಮಾಡುತ್ತ ಆತನ ಸ್ವಭಾವ, ಮುಗ್ಧತೆ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಯ ವಾತ್ಸಲ್ಯದ ಸುಂದರ ಚಿತ್ರಣವನ್ನು ಚಿತ್ರಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಇಲ್ಲಿ ಬಾಲಕೃಷ್ಣನು ಅಣ್ಣ ಬಲರಾಮನ ಬಗ್ಗೆ ದೂರನ್ನು ತಾಯಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ಅಣ್ಣನು ನನ್ನನ್ನು ತುಂಬ ಛೇಡಿಸುತ್ತಾನೆ ಹಾಗೂ ಕಾಡಿಸುತ್ತಾನೆ. ಯಶೋಧಾ ಮಾತೆಯು ನನಗೆ ಜನ್ಮ ನೀಡಿಲ್ಲವಂತೆ,ಆದರೆ ಅವಳು ನನ್ನನ್ನು ಕೊಂಡು ಕೊಂಡಿದ್ದಾಳಂತೆ. ಇದೇ ಕೋಪದ ಕಾರಣದಿಂದ ಆತನ ಸಂಗಡ ನಾನು ಆಡಲು ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಕೃಷ್ಣನು ಯಶೋಧಾ ಮಾತೆಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ನಿನ್ನ ತಂದೆ ತಾಯಿ ಯಾರು ? ಎಂದು ಮೇಲಿಂದ ಮೇಲೆ ಕೇಳುತ್ತಾನೆ. ಆತನು ನಂದ ಮತ್ತು ಯಶೋದಾ ಬಿಳಿಯ ಬಣ್ಣದವರು ಆದರೆ ನಿನ್ನ ಶರೀರವೇಕೆ ಕಪ್ಪಗಿದೆ ? ಎಂದೂ ಕೇಳುತ್ತಾನೆ. ಆತನು ಇಂತಹ ನಗು-ಚೇಷ್ಟೆ ಕೇಳಿ ನನ್ನ ಎಲ್ಲ ಗೆಳೆಯರು ಲಟಕೆ ಹೊಡೆದು ಹೊಡೆದು ನಗುತ್ತಾರೆ. ಅವರಿಗೆ ಬಲರಾಮನೇ ಹೀಗೆ ಮಾಡಲು ಕಲಿಸಿದ್ದಾನೆ ಎಂದು ಕೃಷ್ಣನು ತಾಯಿ ಯಶೋದೆಗೆ ದೂರು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಅಮ್ಮಾ, ನೀನು ಕೇವಲ ನನಗೇ ಹೊಡೆಯುವುದನ್ನು ಕಲಿತಿರುವೆ ಮತ್ತು ಅಣ್ಣನ ಮೇಲೆ ಎಂದಿಗೂ ಸಿಟ್ಟು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಗೆ ಕೃಷ್ಣನು

ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ತನ್ನ ಅಣ್ಣನ ಬಗ್ಗೆ ಸಿಟ್ಟಾಗಿರುವ ಮತ್ತು ಗೆಳೆಯರಿಂದ ಅಪಮಾನಿತನಾದ ಕೃಷ್ಣನ ಕೋಪ ತುಂಬಿದ ಮುಖ ಕಂಡು ಆತನ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಯಶೋಧಾ ಆನಂದಿತಳಾಗುತ್ತಾಳೆ. ಕೃಷ್ಣನೇ ಕೇಳು ಬಲರಾಮನು ಹುಟ್ಟಿನಿಂದಲೇ ದುಷ್ಟನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ನಾನು ಗೋವುಗಳ ಆಣೆಯಾಗಿಯೂ ಹೇಳುತ್ತೇನೆ. ನಾನೇ ನಿನ್ನ ತಾಯಿ ಮತ್ತು ನೀನು ನನ್ನ ಮಗನು ಎಂದು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಯು ಕೃಷ್ಣನಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾಳೆ. ಈ ಪದ್ಯದಲ್ಲಿ ಸೂರದಾಸರು ಬಾಲಕೃಷ್ಣನ ಮುಗ್ಧತನ ಮತ್ತು ಯಶೋಧಾಳ ವಾತ್ಸಲ್ಯದ ಮಾರ್ಮಿಕ ಚಿತ್ರಣವನ್ನು ನೀಡಿದೆ.

15. कर्नाटक-संपदा (संकलित) (निबंध)

पाठ का आशय:

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि । प्रत्येक व्यक्ति का अपनी जन्मभूमि से अनुराग और उस पर अभिमान करना सहज है । कर्नाटक हमारी जन्मभूमि है। यहाँ की प्राकृतिक सुषमा, साहित्यिक वैभव और ज्ञान-विज्ञान क्षेत्र की प्रगति अपार है। देश-विदेश के लोग यहाँ की तकनीकी के विकास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हैं। इस संदर्भ में प्रस्तुत पाठ अत्यंत प्रासंगिक एवं सार्थक है।

टिप्पणी :

व्हिस्परिंग गैलरी

यह विजयपुरा के विश्व विख्यात गोलगुंबज़ में है। इसकी वास्तुकला अनोखी है। इस गुंबज़ के एक छोर से धीमी आवाज़ में बातें करें तो वह विरुद्ध छोर में स्पष्ट सुनाई देती है। इस गुंबज़ की एक और विशेषता यह है कि यहाँ एक बार आवाज़ निकालने से यह सात बार प्रतिध्वनित होती है।

शब्दार्थ :

आबादी - जनसंख्या, ಜನಸಂಖ್ಯೆ. **सँवारना** - सजाना, ಅಲಂಕರಿಸು. **सुषमा** - अत्यधिक सुंदरता, ಅತ್ಯಂತ ಸುಂದರವಾದ. **लहराना** - तरंगित होना, ಅಲೆಗಳು. **छोर** - किनारा, अंतिम सिरा; ದಂಡೆ. **घाट** - Ghats, चढ़ाव-उतार का पहाड़ी मार्ग; ಘಾಟ/ಏರಿಳಿತದ ಕಾಡು ಮಾರ್ಗ. **आवली** - कतार, पंक्ति; ಸಾಲು. **दिग्गज** - महान् व्यक्ति, ಮಹಾನ್ ವ್ಯಕ್ತಿ. **प्रौद्योगिकी** - तकनीकी, ತಾಂತ್ರಿಕ. **उपलब्धि** - प्राप्ति, सिद्धि; ಪ್ರಾಪ್ತಿ, ಸಿದ್ಧಿ. **पटल** - परदा, ಪರದೆ.**धातु** - खनिज पदार्थ, ಖನಿಜ ಪದಾರ್ಥಗಳು. **इस्पात** - फौलाद, Steel ; ಸ್ಟೀಲ್. **विपुल** -अधिक, ಬಹಳ, ಅಧಿಕ.**आगार** - घर, ಮನೆ. **सींचना** - भिगोना, पानी देना; ನೀರುಣಿಸು. **ऊर्जा** - शक्ति, Energy; ಶಕ್ತಿ. **वास्तुकला** - इमारत-मकान आदि बनाने की कला, ವಾಸ್ತುಕಲೆ. **प्रतिमा** - मूर्ति, ಮೂರ್ತಿ. **अद्वितीय** - जिसके समान दूसरा न हो, ಅದ್ವಿತೀಯ. **दृष्टात** - उदाहरण, ಉದಾಹರಣೆ. **श्रीवृद्धि** - उन्नति, प्रगति; ಉನ್ನತಿ, ಪ್ರಗತಿ. **योगदान** - सहयोग देना, ಸಹಕರಿಸು.**अनमोल** - अमूल्य, बेजोड़। ಅಮೂಲ್ಯ, ಅನುಪಮ.

विस्तृत रूप

1. **एच.ए.एल** - हिन्दुस्तान एरोनाटिकल लिमिटेड
2. **एच.एम.टी** - हिन्दुस्तान मशीन टूल्स
3. **आइ.टी.आइ** - इंडियन टेलिफोन इंडस्ट्रीस
4. **बी.ई.एल** - भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड
5. **बी.एच.ई.एल** - भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

। एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. पश्चिमी घाट किसे कहते है?

उत्तर :कर्नाटक में दक्षिण छोर से उत्तर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते है।

2. कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात है?

उत्तर :कर्नाटक में जोग, अब्बी, गोकाक और शिवन समुद्र आदि जलप्रपात है।

3. श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊंचाई कितनी है ?

उत्तर :श्रवण बेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊंचाई 57 फूट ऊंची है।

4. किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है?

उत्तर : 'बेंगलूर ' नगर को सिलिकॉन सिटि कहा जाता है।

5. भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए।

उत्तर :भद्रावती में कागज़, लोहे और इस्पात के बड़े कारखाने है।

6. सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

उत्तर :सेंट फिलोमिना चर्च - मैसूर ' नगर में है।

7. विजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन - सा है ?

उत्तर :विजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान • गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी ' है।

8. अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है ?

उत्तर :अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिम दिशा में है।

9. कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन - सी पर्वतमालाएं शोभायामान है ?

उत्तर :कर्नाटक की दक्षिण दिशा में ' नीलगिरी ' की पर्वतमालाएं शोभायामान है।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन से है ?

उत्तर :कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ कावेरी, कृष्ण और तुंगभद्रा आदि है । कर्नाटक की जलप्रपात जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि है।

2. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

उत्तर :कर्नाटक के 8 साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है जैसे - कुवेंपु, द.रा.बेन्द्र, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चन्द्रशेखर कंबार ।

3. बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग है ?

उत्तर :कर्नाटक के प्रमुख नदियों को बाँध बनाए गए है । इनसे हज़ारों एकड ज़मीन सींची जाती है। इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। जिनसे राज्य को ऊर्जा प्राप्त होती है।

4. कनार्टक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उत्तर :कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम है - गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर आदि कर्नाटक के प्रसिद्ध राजा थे- कृष्णदेवराय, मदकरिनायक, रानी अब्बका, कित्तूर रानी चेन्नम्मा, टिप्पु सुल्तान,आदिलशाह आदि है।

5. बेंगलूर में कौन-कौन सी बृहत संस्थाएँ है ?

उत्तर :बेंगलूर में भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ. बी.एच.ई.एल आदि बृहत संस्थाएं है।

III.चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1 कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर :प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से संवारकर सुन्दर और समृद्ध बनाया है । कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिम घाट कहते है। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है । दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

2. कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

उत्तर :कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है । बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू के मंदिरों की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है । बेल्लूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ रामायण, महाभारत और पुराणों की कहानियाँ सुनाती है । श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊंची गोमटेश्वर की शिला मूर्ति दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

3. कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है ?

उत्तर :कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाया है। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लम प्रभु, सर्वज्ञ जैसे संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी । आधुनिक काल के डॉ. चन्द्रशेखर कंबार, गिरीष कार्नाड आदि प्रसिद्ध साहित्यकार है। इस तरह कन्नड भाषा तथा संस्कृति कर्नाटक के लिए गौरव है।

IV कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(गंग, त्याग, पुराण, वैभव, कीर्ति, साबुन, चंदन, शांति)

1. कर्नाटक को चंदन का आगार कहते हैं।
2. गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।
3. मैसूरु का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।
4. कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है।

V. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है।

1, ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ.

2.कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं। 2. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಚಂದನದ (ಗಂಧದ) ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿದೆ.

3. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यत आकर्षणीय है।

3. ಜಗನ್ಮೊಹನ ರಾಜಮಹಲಿನಲ್ಲಿರುವ ಪುರಾತನ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

4. वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। 4. ವಚನಕಾರರಾದ ಬಸವಣ್ಣರವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

VI.नमूने के अनुसार इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पर्वत अद्रि पहाड़ गिरि

1. सागर	: समुद्र	लधि	सिन्धु	2. आगर	: खजाना	घर	अलय
3. जल	: पानी	वारि	नीर	4. आकाश	: गगन	आसमान	नभ

VII. विलोम शब्द लिखिए :

1. सुदर X कुरूप	3. आदि X अनादि	5. सदाचार X दुराचार
2. विदेश X स्वदेश	4. सजीव X निर्जीव	6. आयात X निर्यात

VIL. उदाहरण के अनुसार बहुवचन रूप बनाना सीखिए :

उदा: संधि - संधियाँ

1. मूर्ति - मूर्तियाँ	3. कृति - कृतियाँ	5.संस्कृति - संस्कृतियाँ
2.उपलब्धि - उपलब्धियाँ	4. नीति - नीतियाँ	6.पद्धति - पद्धतियाँ

IX विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए।

1.दिग्गज = दिक् + गज = व्यंजन संधि	5. जगनमोहन = जगत् + मोहन = व्यंजन संधि
2.पर्वतावली = पर्वत + आलय = दीर्घ संधि	6. सदाचार = सत् + आचार = व्यंजन संधि
3. संग्रहालय = संग्रह + आलय = दीर्घ संधि	7. अत्यँत = अति + अंत = यण संधि
4. जलाशय = जल + आशय = दीर्घ संधि	

X. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए।

1. देश - विदेश : देश और विदेश = द्वन्द्व समास	3. राजवंश : राजा का वंश = तत्पुरुष समास
2. जलप्रपात : जल से प्रपात = तत्पुरुष समास	4. राजमहल : राजा का महल = तत्पुरुष समास

XI. परियोजना :

- श्री कृष्णदेवराय, विष्णुवर्धन, इम्मडि पुलिकेशी आदि राजाओं के बारे में चित्र सहित विवरण लिखिए।

श्री कृष्णदेवराय विजयानगर सम्राट (राज्यकाल 1509-1529 ई) : विजयनगर के सर्वाधिक कीर्तिवान राजा थे। वे स्वयं कवि और कवियों के संरक्षक थे। तेलुगु भाषा में उनका काव्य अमुक्तमाल्य साहित्य का एक रत्न है। इनकी भारत के प्राचीन इतिहास पर आधारित पुस्तक वंशचरितावली तेलुगू के साथ–साथ संस्कृत में भी मिलती है। संभवत तेलुगू का अनुवाद ही संस्कृत में हुआ है। प्रख्यात इतिहासकार तेजपाल सिंह धामा ने हिन्दी में इनके जीवन पर प्रामाणिक उपन्यास आंध्रभोज लिखा है। तेलुगु भाषा के आठ प्रसिद्ध कवि इनके दरबार में थे जो अष्टदिग्गज के नाम से प्रसिद्ध थे। स्वयं कृष्णदेवराय भी आंध्रभोज के नाम से विख्यात थे।

विष्णुवर्धन (सन 1111 ई.से 1140 तक) :
होयसल वंश का प्रारम्भ सन 1111 ई. के आसपास मैसूर के प्रदेश में विट्टिग अथवा विट्टिदेव से हुआ। उसने अपना नाम विष्णुवर्धन रख लिया और सन 1141 ई. तक राज्य किया। उसने 'द्वारसमुद्र' (आधुनिक हलेविड) को अपनी राजधानी बनाया। वह पहले जैन धर्मानुयायी था, बाद में वैष्णव मतावलम्बी हो गया। उसने बहुत से राजाओं को जीता और हलेबिड में सुन्दर विशाल मन्दिरों का निर्माण कराया। राज्य विस्तार ग्यारहवीं सदी के पूर्वार्ध में होयसालों ने अपना उत्कर्ष शुरू किया और धीरे-धीरे इस राजवंश की शक्ति बहुत अधिक बढ़ गई। 1110 ई. में विष्णुवर्धन द्वारसमुद्र की राजगद्दी पर आरूढ़ हुआ। वह एक प्रतापी और महत्त्वाकांक्षी राजा था। उसने अपने राज्य को चालुक्यों की अधीनता से मुक्त कर अन्य राज्यों पर आक्रमण भी शुरू किए। सुदूर दक्षिण में चोल, पांड्य और मलाबार के क्षेत्र में उसने विजय यात्राएँ कीं, और अपनी शक्ति को प्रदर्शित किया। इसमें सन्देह नहीं, कि उसके शासन काल में होयसाल राज्य बहुत शक्तिशाली हो गया था। 1140 में विष्णवर्धन की मृत्यु हुई।

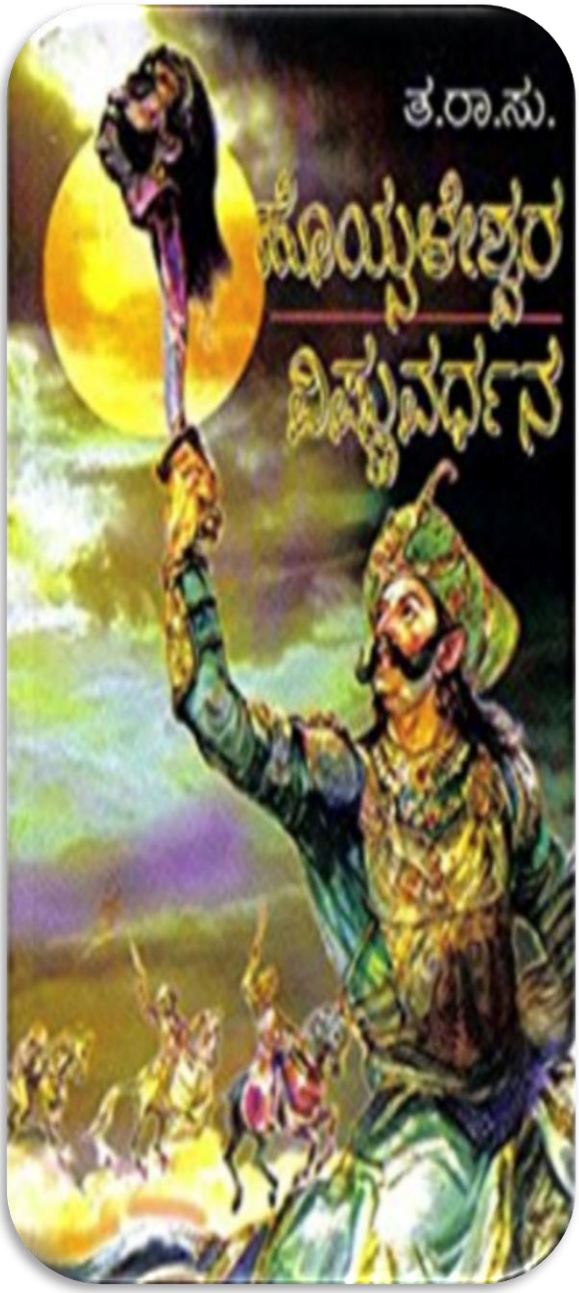

➢ क़फ्ग्ल]

इम्मडि पुलिकेशी :

पुलकेशी प्रथम का पौत्र तथा चालुक्य वंश का चौथा राजा था, जिसने 609-642 ई. तक राज्य किया। वह महाराजाधिराज हर्षवर्धन का समसामयिक तथा प्रतिद्वन्द्वी था। उसने 620 ई. में दक्षिण पर हर्ष का आक्रमण विफल कर दिया। अपने उत्कर्ष काल में चालुक्य साम्राज्य इतना विस्तृत और शक्तिशाली था, कि पुलकेशी द्वितीय ने ईरान के शाह ख़ुसरू द्वितीय के पास अपने राजदूत भेजे थे। ये दूत 652 ई. में ईरान गए थे। बदले में ख़ुसरू द्वितीय ने भी अपने दूत पुलकेशी की सेवा में भेजे । अजन्ता के एक चित्र में एक ईरानी राजदूत के आगमन को अंकित भी किया गया है। पुलकेशी द्धितीय की कीर्ति सुदूरवर्ती फ़ारस देश तक पहूँच गयी थी। फ़ारस के शाह ख़ुसरो द्वितीय ने 625-26 ई. में पुलकेशी द्वितीय के द्वारा भेजे गये दूतमंडल से भेंट की थी। इसके बदले में उसने भी अपना दूतमंडल पुलकेशी द्वितीय की सेवा में भेजा। अजंता की गुफा संख्या 1 में एक भित्तिचित्र में फ़ारस के दूतमंडल को पुलकेशी द्वितीय के सम्मुख अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करते हुए दिखाया गया है। चीनी यात्री ह्वेनसांग 641 ई. में उसके राज्य में आया था और उसके राज्य का भ्रमण किया था। उसने पुलकेशी द्वितीय के शौर्य और उसके सामंतों की स्वामिभक्ति की प्रशंसा की है ।

➢ कर्नाटक में बहनेवाली नदियों की सूची तैयार कीजिए। हर एक नदी के बारे में पाँच-पाँच वाक्य लिखिए।

कर्नाटक में बहने वाली नदियों की सूचि :-

1. Amarja (अमरजा)
2. Bhadra River (भद्रा नदी)
3. Chakra River (चकरा नदी)
4. Chitravathi River (चित्रावती नदी)
5. Chulki Nala (चुल्की नाला)
6. Dandavati (दंदावती नदी)
7. Dudhaganga (दुधगंगा)
8. Gangavalli River (गंगावाल्ली नदी)
9. Ghataprabha River (घाटप्रभा नदी)
10. Gundia River (गुंदिया नदी)
11. Gurupura River (गुरुपुरा नदी)
12. Hemavati River (हेमावती नदी)
13. Hiranyakeshi river (हिरण्यकेशी नदी)
14. Honnuhole (होंनुहोले)
15. Kabini River (काबिनी नदी)
16. Kali River (काली नदी)
17. Karanja River (कारंजा नदी)
18. Kattinakere (कत्तिनाकेरे)
19. Kaveri River (कावेरी नदी)
20. Kedaka River (कदका नदी)
21. Krishna River (कृष्णा नदी)
22. Kubja River (कुब्जा नदी)
23. Kumaradhara River (कुमाराधरा नदी)
24. Lakshmana Tirtha (लक्ष्मण तीर्थ)

25. Malaprabha River (मलपर्वा नदी)
26. Mandovi River (मंडोवी नदी)
27. Manjira River (मंजीरा नदी)
28. Netravati River (नेत्रावती नदी)
29. Palar River (पलार नदी)
30. Panchagangavalli River (पंचागंगावाल्ली नदी)
31. Papagni River (पापग्नी नदी)
32. Penna River (पेन्नार नदी)
33. Ponnaiyar River (पोन्नैयार नदी)
34. Seetha River (सीता नदी)
35. Shambhavi River (शाम्भवी नदी)
36. Sharavati (शरावती)
37. Shimsha (शिम्षा)
38. Souparnika River (सौपर्निका नदी)
39. Tunga River (तुंगा नदी)
40. Tungabhadra River (तुंगभद्रा नदी)
41. Varada River (वरदा नदी)
42. Varahi River (वाराही नदी)
43. Vedavathi River (वेदावाठी नदी)
44. Vrishabhavathi River (वृशाभावाठी नदी)
45. Yagachi River (यागाची नदी)

XII. सही विकल्प को रेखांकित कीजिए :

1. तुंग-भद्रा नदी इन राज्यों में बहती है ।

अ) कर्नाटक-तमिलनाडु आ) कर्नाटक-महाराष्ट्र इ) कर्नाटक-आंध्र प्रदेश ई) कर्नाटक-केरल

2. श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मूर्ति का निर्माण इन्होंने कराया था

अ) दीवान पूर्णय्या आ) मिर्जा इस्माइल इ) श्री वीरेंद्र हेग्गडे ई) चावुंडराया

3. ज्ञानपीठ से पुरस्कृत प्रथम कन्नड साहित्यकार ये हैं -

अ) चंद्रशेखर कंबार आ) कुवेंपु इ) यू. आर. अनंतमूर्ति ई) गिरीश कार्नाड

4. कन्नड भाषा के प्रथम राष्ट्रकवि' की उपाधि से अलंकृत साहित्यकार ये हैं -

अ) गोविंद पै आ) कुवेंपु इ) जी.एस. शिवरुद्रप्पा ई) ती.नं.श्री

XII. अर्थ समझिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. तक - थक

तक - वहाँ तक = मैं शाम 10 बजे तक पढता हूँ।

थक - सुस्त = मैं काम करते करते थक जाता हूँ।

2. चोर - छोर

चोर - चोरी करनेवाला = चोर चोरी करता है।

छोर - किनारा = समुद्र का छोर बहुत सुंदर होता है।

3. बात - भात

बात - बोलना=मेरे दोस्तों के साथ मैं बात करना चाहता हूँ।

भात - चावल = मुझे बिसी बेले बात बहुत पसंद है।

4.काल - खाल

काल - समय ,वक्त = काल सबसे बलवान है।

खाल - चमड़ी = मगरमच्छ की खाल बहुत सख्त होती है।

5.और - ओर

और - तथा = राम और लक्ष्मण भाई है।

ओर - किनारा = मैं स्कूल की ओर जा रहा हूँ।

XIV. अनुरूपता:

1. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट : : दक्षिण की पर्वतावलियाँ : नीलगिरी
2. कर्नाटक : चंदन का आगार : : बेंगलूरु : सिलिकॉन सिटी
3. सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कृत : : सर.एम. विश्वेश्वरय्या : भारत रत्न
4. भद्रावती : लोहे और इस्पात : : मैसूरु : चंदन का तेल - साबून
5. कावेरी : नदी : : जोग : जल प्रपात
6. बेलूरु : शिल्पकला : : गोलगुंबज़ : वास्तुकला
7.सेंट फिलोमिना : चर्च : : जगनमोहन राजमहल : आर्ट गैलरी
8. कृष्णदेवराय : शासक : : राष्ट्रकूट : राजवंश

9. बसवण्णा : वचनकार : : कनकदास : भक्त कवि

10.पपा : प्राचीन कवि : : कंबार : आधुनिक कवि

पाठ से आगे

1.दिए-गए सही कारक चिह्न रिक्त स्थान में भरिए और इस अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए :

(ने, को, से, का, की, के, के लिए, में, पर)

कित्तूर से नौ मील दूरी पर स्थित संगोल्ली नामक एक छोटा-सा गाँव है। इसी गाँव के एक गड़रिये परिवार में रायण्णा का जन्म 15 अगस्त सन् 1793 ई. में हुआ था। इनके पिताजी का नाम भरमण्णा था। रायण्णा की माता का नाम चंचोबा था। रायण्णा ने अपने भाई सिद्दण्णा के संग कसरत के साथ-साथ शस्त्राभ्यास भी किया। परिश्रम के फलस्वरूप कित्तूर रानी चेन्नम्मा के राज्य में रायण्णा मुख्य सेनापति के पद पर आरुढ़ हुए। उन्होंने अंग्रेजों को देश से भगाकर भारतमाता को स्वतत्रता दिलाना ही अपना परम कर्तव्य माना था।

II. वर्ग पहेली:

1		2			3				4		
				5							
6									7		
				8			9				
10									11		12
13								14			
				15							
16		17							18		
				19	20						
21									22		

बाएं से दाएँ

1. रायचूर जिले से विभक्त होकर उदित नया जिला - नाम पलट गया है। (3)
4. सोने का खान यहाँ है । (3)
5. प्रसिद्ध नाटक-अभिनेता वीरण्णा इस गाँव के थे । (2)
6. इसे कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है । (3)
7. बीदर जिला के समीप का जिला केंद्र । (3)
8. तुमकूर जिले के सिद्धगंगा के साथ इस गाँव का नाम जुड़ा रहता है। (4)
10. यह केलदी संस्थान की राजधानी है । (3)
11. प्रसिद्ध मारिकांबा-मंदिर इस स्थान में है। (3)
13. प्रख्यात तेज़ गेंदबाज श्रीनाथ इस गाँव के हैं - नाम पलट गया है। (4)
14. कर्नाटक की राजधानी । (4)
15. मदकरि नायक ने यहाँ शासन किया था । (4)
16. रानी चेन्नम्मा का गाँव। (3)
18. कर्नाटक में अत्यधिक वर्षा होने का स्थान।यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य मनमोहक लगता है- नाम पलट गया है। (3)
19.राजा , रानी,रोरर,रॉकेट को इस जलप्रपात में देख सकते हैं।(2)

21.गुफातर शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण इस गाँव में देखा जा सकता है- नाम पलट गया है। (3)

22.हेमावती नदी पर यहाँ बाँध बनाया गया है । (3)

ऊपर से नीचे

2. मूकांबिका मंदिर यहाँ है । (3)

3. मडिकेरी के पास का विख्यात जलप्रपात । (2)

4. कोडवा भाषा इस जिले में बोली जाती है । (3)

8. शिवप्पनायक की राजधानी, अब एक जिला केंद्र स्थान भी है । (4)

9. प्रख्यात जोग जलप्रपात इस गाँव में है । (4)

10. साड़ियों को बुननेवाला यह गाँव बागलकोट जिले में है । (4)

12. शरावती नदी को लाँच द्वारा पार कर इस गाँव की चौडेश्वरी देवी के दर्शन करना है । (4)

17. हासन जिले के इस गाँव में बड़े सुरंग द्वारा नदी का पानी बहाया गया हैं - गाँव का नाम पलट गया है । (3)

18. हलेबीडु के साथ जुड़ा हुआ यह गाँव शिल्पकला का जीता-जागता उदाहरण है। (3)

20.अणु ऊर्जा उत्पादन केंद्र यहाँ स्थापित है - नाम पलट गया है । (2)

उत्तर. बाएं से दाएं

1. कोप्पला
4. कोलार
5. गुब्बि
6. मैसूरु
7. गुल्बर्गा
8. शिवगंगे
10. इक्केरि
11. सिरसि
13. जावगल
14. बेंगलूरु
15. चित्रदुर्ग
16. कित्तूरु।
18. आगुँबे
19. जोग
21. बादामी
22. गोरूरु

ऊपर से नीचे

2. कोल्लूरु
3. अब्बि
4. कोडगु
8. शिवमोग्गा
9. गेरुसोप्पा
10. इलकल
12. सिंगदूरु
17. बागूरु
18. बेलूरु
20. कैगा

17. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती । (सोहनलाल द्विवेदी)

कविता का आशय :

इस कविता में कोशिश करने से सफलता प्राप्त करने का संदेश मिलता है। कवि कहते हैं कि जीवन की प्रतियोगिता में असफलता से विमुख न होते हुए अपनी कमियों को खुद पहचानकर स्वप्रयत्न से लगातार आगे बढ़ने से हार कभी नहीं होती है।

कवि परिचय

सोहनलाल द्विवेदी (सन् 1906 सन् 1988)

सोहनलाल द्विवेदी जी हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि हैं। जन्म : 23 फरवरी सन् 1906 को हुआ। शीक्षा : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एम.ए., एल.एल.बी. की डिग्री ली। वृत्ति : आजीविका के लिए जमीन्दारी तथा बैंकिंग का काम करते रहे। संपादक : सन् 1938 से सन् 1942 तक आप राष्ट्रीय पत्र 'दैनिक अधिकार' के संपादक थे। कुछ वर्षों तक आपने अवैतनिक (बिना वेतन के) बाल पत्रिका 'बाल-सखा' का संपादन भी किया।

प्रभावित : महात्मा गांधी से अत्यधिक प्रभावित थे।

उपाधि : स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए देशभक्ति व ऊर्जा से ओतप्रोत आपकी रचना विशेष सराहना हुई तथा आपको 'राष्ट्रकवि' की उपाधि से अलंकृत किया। देहांत : सन् 1988 में राष्ट्रकवि दिववेदी जी का देहांत हो गया।

रचनाएँ - भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत, विषपान, युगाधार और जय गांधी। बाँसुरी, झरना, बिगुल, बच्चों के बापू, दूध बताशा, बाल भारती, शिशु भारती, नेहरू चाचा, सुजाता, प्रभाती आदि आपका प्रमुख बाल-साहित्य है।

शब्दार्थ

लहर - तरंग, बहाव,ಅಲೆ ; नौका - नाव,ನೌಕೆ, ಹಡಗು. कोशिश - प्रयास, प्रयत्न,ಪ್ರಯತ್ನ ; हार - पराजय, विफलता,ಸೋಲು; नन्हीं-छोटी, लघु,ಪುಟ್ಟ ; दाना - धान्य, अनाज, कण (Grain) ದಾನ್ಯ ; दीवार - भित्ति (Wall),ಗೋಡೆ. विश्वास - भरोसा, यकीन,ವಿಶ್ವಾಸ ; रग - नस, स्नायु, नाड़ी (Nerve),ನರ; साहस - धैर्य, हिम्मत, हौसला (Courage),ಸಾಹಸ. ; अखरना – बुरा लगना,ಕೆಟ್ಟದೆನ್ನಿಸು मेहनत -परिश्रम, ಪರಿಶ್ರಮ . बेकार - व्यर्थ, निरर्थक, ,ವ್ಯರ್ಥ ; सिंधु - सागर, समुद्र, अंबुधि,ಸಾಗರ. ; गोताखोर - तैराक,ಈಜುಗಾರ हैरान होना - आश्चर्यचकित होना,ಆಶ್ಚರ್ಯ ಚಕಿತ .चुनौती-दावा, ललकार,ಸವಾಲು ; कमी - अभाव, न्यूनता,ಅಭಾವ ; चैन - आराम, सुख, ಆರಾಮ.; संघर्ष -टकराव, ಸಂಘರ್ಷ ।

। एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. किससे डरकर नौका पार नहीं होती?

उत्तर : लहरों' से डरकर नौका पार नहीं होती।

2. किनकी हार नहीं होती है?

उत्तर : 'कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है।

3.दाना लेकर कौन चलती है?

उत्तर :' चींटी' दाना लेकर चलती है।

4. चींटी कहाँ चढ़ती है?

उत्तर : चींटी · दीवार ' पर चढ़ती है। .

5. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती?

उत्तर : 'कोशिश करनेवालों' की मेहनत बेकार नहीं होती।

6. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर : गोताखोर ' सागर में डुबकियाँ लगाता है।

7. मोती कहाँ मिलता है?

उत्तर : मोती सागर के गहरे ' पानी ' में मिलता है।

8. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की मुट्ठी खाली नहीं होती है।

9. किसको मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर : 'संघर्ष ' का मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए।

10. कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है?

उत्तर : कुछ किये बिना ही ' जय – जयकार ' नहीं होती है।

॥ दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

उत्तर : कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में भरता है। चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है। अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है।

2. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या है?

उत्तर : गोताखोर के बारे में कवि कहते है कि, गोताखोर सागर में डुबकियाँ लगातार लगाकर खाली हाथ वापस लौटकर आता है। सहज पानी में मोती नहीं मिलते है, उसके लिए गहरे पानी में जाना पड़ता है। इससे उसकी उत्साह दुगना बढता रहता है। अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है।

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते है ?

उत्तर : असफलता से सफलता की ओर लाने के बारे में कवि संदेश देते हुए कहते है कि, असफलता एक चुनौती है, हम इसे स्वीकार करना चाहिए। असफलता क्यों हो रही है, इसे पहचानकर गलतियों को सुधारना चाहिए। जब तक हम हमारे काम में सफल नहीं होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए। संघर्ष का मैदान छोड़कर हम भागना नहीं चाहिए। हम कुछ किये बिना हमारी जय-जयकार नहीं होती है।

III जोड़कर लिखए

अ	आ		
1. लहर	नौका	3. गोताखोर	डुबकियाँ
2. चींटी	दाना	4. असफलता	चुनौती
		5. कमी	सुधार

IV भावार्थ लिखिए।

नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना ना अखरता है।
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

उत्तर : कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में बताते हुए कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में भरता है। चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है। अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है। कोशिश करनेवालों की कभी भी हार नहीं होती हैं।

v. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए।

उदा : पार - हार
1. चलती - फिसलती
2. भरता - अखरता
3. लगाता - आता
4. बार - हार
5. स्वीकार - तिरस्कार

VI सफलता प्राप्त करने से संबंधित शब्दों पर गोल लगाइए।

सार्थक परिश्रम, आत्मविश्वास, आराम से सोना, सतत अभ्यास, हैरान होना, बेकार का काम करना, पराजय का स्वीकार, सार्थक काम करना, कुछ करके देखाना, शिक्षा प्राप्ति, भटकना, भाग जाना, भला करना।

VII दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर ' परिश्रम' पर लघु लेख तैयार कीजिए।

कुछ लोग जीवन में निराशा से रहते है, क्योंकि वे कोशिश करते नहीं है और मेहनत से जीवन नहीं बिताते है। उत्साह और साहस सफलता की कुंजी है। जीवन को सफल बनाने कभी कभी गिरना भी पड़ता है चढ़ना भी पड़ता है। कोशिश करते रहने से सहजता से ही हाथ खाली नहीं होती है। इस कारण हम जीवन में हर चुनौती को स्वीकार करके संघर्ष को सीना तानकर सामना करना चाहिए। संघर्ष में जीतने तक नींद और चैन को त्याग करना चाहिए।

VIII. कविता की अंतिम पंक्तियों को कंठस्थ करके लिखिए:

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम।

कुछ किए बिना ही जय जयकार नहीं होती ,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

IX अनुरूपता।

1. मेहनत : परिश्रम : : कोशिश : प्रयास
2. चढ़ना : उतरना : : हारना : जीतना
3. स्वीकार : इन्कार : : चैन : बेचैन
4. सिंधु : समुद्र : : हाथ : हस्त

ಪ್ರಯತ್ನ ಪಡುವವರಿಗೆ ಸೋಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ:

ಶ್ರೀ ಸೋಹನ್‌ಲಾಲ್ ದ್ವಿವೇದಿಯವರು ಹಿಂದಿಯ ಮಹಾನ್ ಕವಿಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರು. ಜೀವನದ ಉದಾಹರಣೆಗಳಿಂದ ಸದಾಕ್ರಿಯಾ ಶೀಲರಾಗಿರುವಂತೆ ಪ್ರೇರೇಪಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಕವಿಯ ಆಶಯದಂತೆ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡುವ ವ್ಯಕ್ತಿ ಸಫಲನಾಗುತ್ತಾನೆ ಮತ್ತು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಹೊಂದುತ್ತಾನೆ. ಇರುವೆ ಮತ್ತು ಸಾಗರದಲ್ಲಿ ಮುಳುಗಿ ಮುತ್ತು ರತ್ನಗಳನ್ನು ಆರಿಸುವವರ ಉದಾಹರಣೆ ಕೊಟ್ಟು ಪ್ರಯತ್ನ ಶೀಲರಾಗುವಂತೆ ಕರೆ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ಇರುವೆ ಆಹಾರವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವಾಗ ಅನೇಕ ಸಾರಿ ಗೋಡೆಯಿಂದ ಜಾರುತ್ತದೆ. ಆದರೂ ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನು ಬಿಡದೆ ಯಶಸ್ಸು ಪಡೆಯುತ್ತದೆ.

ಅದರಂತೆ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಮುಳುಗಿ ಸತತ ಪ್ರಯತ್ನದಿಂದ ಅಮೂಲ್ಯವಾದ ಮುತ್ತುರತ್ನಗಳನ್ನು ಆರಿಸಿ ತರುತ್ತಾರೆ. ಆದುದರಿಂದ ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನು ಬಿಡಬಾರದು'ಮರಳಿ ಯತ್ನವ ಮಾಡು ಮರಳಿ ಯತ್ನವ ಮಾಡು' ಎಂಬುದು ಯಶಸ್ಸಿನ ಮಂತ್ರ, ಅಪಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಹೆದರಿ ಎಂದೂ ಇಟ್ಟ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಿಂತೆಗೆಯಬಾರದು. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರು ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಕುಂದು ಕೊರತೆಗಳನ್ನು ಅರಿತು ಬಲಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಸತತ ಪ್ರಯತ್ನದಿಂದ ಏನನ್ನು ಬೇಕಾದರೂ ಸಾಧಿಸಬಹುದು ಆಗ ಸೋಲುಹತ್ತಿರ ಬಾರದು.